ISSN 2349-6614

जून 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

ऑपरेशन सिंदूर का विकराल रूप अभी बाकी

मेवाड़ को सौंप गई संघर्ष, संकल्प और समर्पण की विरासत

डॉ. गिरिजा व्यास

LOTUS HI-TECH INDUSTRIES
BUILDING A GLOBAL LEGACY
Lotus
PRE-ENGINEERED BUILDING
TAJ GORBANDH PALACE
Our Products & Services:
➤ Pre-Engineered Buildings (PEB)
➤ Civil Construction
➤ Prefab House / Capsule House
➤ Interior & Exterior Works
➤ Turnkey Project Solutions
Call Now for a Free Consultation and Quote +91 8003299943
Your Vision, Our Expertise – Let's Build Excellence Together!
LOTUS HI-TECH INDUSTRIES
F34 A, Road No.5 M.I.A. Madri, Udaipur (Raj.) 313003
0294-2940372
lotusremson@gmail.com
www. lotushitechind.com

प्रत्यूष

जून 2025 वर्ष: 23 अंक: 02

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

अंदर के पृष्ठों पर...

जाति जनगणना

जन-मन जीतने की तैयारी
पेज 08

लोकयात्रा

सदियों तक रेत में दबा रहा जगन्नाथ मंदिर
पेज 12

पर्यावरण

भूस्खलन और बर्फ का पिघलना बड़े संकट की आहट
पेज 38

खान-पान

स्वस्थ हड्डियों के लिए जरूरी पोषक तत्व
पेज 30

रेसिपी

बरनियों में सुरक्षित करें थाली का स्वाद
पेज 40

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

उदयपुर के समस्त स्कूल की युनिफार्म यहाँ उपलब्ध है।

सस्ता भी और अच्छा भी। बल्क में आर्डर लिए जाते है। हो जाओ रोज़-रोज़ की समस्याओं से मुक्त ।

We Deal in - School Uniform,
Security Uniform, College Uniform,
Scout Uniform, NCC Uniform,
Hotel Uniform, Cooperate Uniform,
Industrial Uniform & Many More Uniforms

ALL TYPES OF ACCESSORIES AND UNIFORMS AVAILABLE UNDER ONE ROOF

BRANDED

SCHOOL SHOES

SCHOOL BAGS

BOTTLES & LUNCH BOXES

Since 2009

A TO Z युनिफॉर्मस्

More Information Call : 7597766556, 7878563642

Head Office : 62, Nehru Bazar, Udaipur

हमारी ब्रांच

- सेक्टर 14, सवीना 100 फिट रोड, महावीर टॉवर, उदयपुर
- भैरव कॉम्पलेक्स, विशाल पेट्रोल पम्प के सामने, प्रताप नगर
- सेक्टर 4 से माली कॉलोनी रोड़, स्वागत वाटिका के पास
- बैंक तिराहा, इडियन बैंक के सामने, बापु बाजार, उदयपुर

सरकारें जब चुप थीं, न्याय ने आवाज उठाई

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी पर जहां पूरा देश गौरवान्वित है, वहीं मध्य प्रदेश के जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह द्वारा सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरेशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर न केवल खुद उनकी पार्टी भाजपा बल्कि पूरा देश खफा है। सरकार और पार्टी को तत्काल उनके खिलाफ कदम उठाना था, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के चलते दोनों ही कार्रवाई से हिचकते रहे और आखिर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर इन्दौर पुलिस को उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करना पड़ा। हाईकोर्ट ने मंत्री को फटकार लगाते हुए उनके बयान को 'गटर की भाषा' करार दिया। हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की पीठ ने यह भी कहा कि सशस्त्र बल शायद इस देश में आखिरी संस्थान हैं, जो ईमानदारी, अनुशासन, बलिदान, निस्वार्थ भाव, चरित्र, सम्मान और अदम्य साहस को दर्शाते हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी चतुराईपूर्ण मीडिया ब्रीफिंग के बाद सशक्त महिलाओं के रूप में उभरी हैं। व्योमिका सिंह की प्रेस के सामने यह पहली ब्रीफिंग थी, जबकि कुरैशी मीडिया के लिए कोई अजनबी नहीं हैं। वह पहले से ही लोकप्रिय सैन्य अधिकारी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। 2016 में एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी के रूप में उनको सब जानने लगे थे। उसके तुरंत बाद उन्हें एक राष्ट्रीय टेलीविजन कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। उस शो में कुरैशी ने सेना के साथ अपने परिवार के लंबे जुड़ाव के बारे में बात की। उनके परिवार का जुड़ाव रानी लक्ष्मीबाई से जुड़ा है जो अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की मुख्य हस्तियों में से एक थीं। कुरैशी ने बताया कि उनकी परदादी झांसी की रानी की सेना में एक योद्धा थीं। बाद की पीढ़ियों में, उनके दादा और फिर उनके पिता भारतीय सेना में शामिल हुए। वर्तमान पीढ़ी में, वह और उनके पति मेजर ताजुद्दीन कुरैशी सेना में अधिकारी हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कर्नल सोफिया भी मध्यप्रदेश की मिट्टी की ही पैदाइश हैं।

सरकारें जब चुप थीं, तब न्याय ने आवाज उठाई। जब अफसरशाही बंधी थी दलगत नफरत के धागों से, तब हाईकोर्ट ने कहा- देश की एकता पर हमला है, और हमला करने वाला कोई आम आदमी नहीं, एक मंत्री है। 152, 196 (1) (बी), 197(1)(सी) ये धाराएं अब सिर्फ कागज पर नहीं हैं, ये अब एक संवैधानिक हथियार हैं, जो दिखा रहे हैं कि सत्ता की कुर्सी भी कानून से ऊपर नहीं है।

लेकिन सवाल ये भी है क्या विजय शाह जैसे लोगों को कुर्सी पर बैठाए रखना उस पार्टी के मूल्यों का प्रतिनिधित्व है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देती है? या यह कुर्सी अब इतनी भारी हो गई है कि उसमें बैठा व्यक्ति देश की बेटियों को आतंकवादियों की बहन कहकर भी पार्टी का 'सम्मानित चेहरा' बना रहता है?

विजय शाह को मंत्री पद से हटाया जाना चाहिए। सार्वजनिक मंच से माफी मांगना पर्याप्त नहीं है। देश के सिपाहियों का अपमान करने वाले व्यक्ति के लिए मंत्री पद का कोई नैतिक औचित्य नहीं बचता। 22 अप्रेल को हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत की एकजुट प्रतिक्रिया ने दिखाया कि राष्ट्र कैसे जवाब देता है।

मुरादाबाद में सपा नेता रामगोपाल यादव भी विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जातिगत टिप्पणी करने से नहीं चुके। जाहिर है कि राजनेताओं के बड़बोले बयानों की यह 'बीमारी' किसी एक राजनैतिक दल से भी जुड़ी नहीं है। जिसे जहां दाव लगता है सुर्खियों में आने के लिए बेसिर पैर के बयानों की बौछार शुरू कर देता है। ज्यादा बवाल होने पर राजनीतिक दल उन पर निलंबन व निष्कासन की कार्रवाई कर देते हैं। इस बात पर विचार शायद ही किसी दल में होता हो कि आखिर ऐसे लोगों को जनप्रतिनिधि बनने का मौका ही क्यों दिया जाता है।

सवाल उठता है कि जिस बेहद संवेदनशील समय में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भी अत्यंत संयमित और नपा-तुला रुख अपनाया, उससे हासिल गरिमा को कायम रखने के बजाय उसे बिगाड़ने की कोशिश करने वालो को कैसे देखा जाना चाहिए। विजय शाह ने महिला सैन्य अधिकारी की गरिमा को ही ठेस नहीं पहुंचाई, बल्कि सेना की प्रतिष्ठा को भी धूमिल करने की कोशिश की। मामले के तूल पकड़ने के बाद भले ही मंत्री ने सफाई दी, लेकिन ऐसे बयानों के असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति की अशोभनीय और आपत्तिजनक भाषा का समर्थन देश के प्रति सम्मान रखने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं करेगा। जरूरत इस तरह की बदजुबानी और बेलगाम बयानबाजी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए ठोस और नीतिगत पहल करने की है, ताकि देश के संविधान के मर्म और सौहार्द को कोई नुकसान न पहुंचे।

ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने साफ संकेत दिया है कि अब वह आतंक के खिलाफ सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर ही नहीं, समूचे पाकिस्तान में बिना जमीनी तौर पर घुसे ही जोरदार और निर्णायक कार्रवाई कर सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने जहां आक्रामक विदेश नीति का मुजाहिरा किया है, वहीं उसने आतंक के खिलाफ अपने निर्णायक संकल्प और नीति की घोषणा की है।

उमेश चतुर्वेदी

पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर गरजती भारतीय मिसाइलों ने दुनिया को कई संदेश दिए हैं। पहलगाम हमले के विरोध में भारतीय कार्रवाई का पहला संदेश यह है कि अब भारत बदल चुका है, उसकी विदेश नीति भी बदल चुकी है। पाकिस्तानी हमले के सफल प्रतिकार से स्वदेशी हथियार तकनीक की तो खुद-ब-खुद ब्रांडिंग हो गई। पहलगाम के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद भारतीय राजनीति और राजनय को देखने का वैश्विक नजरिया बदलना तय है। जिस तरह पाकिस्तान के एयरबेस समेत तमाम सैनिक ठिकानों को भारतीय सेना ने निशाना बनाया है, उससे बिलबिलाकर वह अमेरिका की शरण में पहुंचा और युद्धविराम की गुहार लगाई। बहरहाल ऑपरेशन सिंदूर ने संदेश दिया है कि अब भारत रणनीति के तहत जवाब नहीं देगा, बल्कि अपने नागरिकों पर हमले, संप्रभुता और अखंडता पर चोट की हालत में वह निर्णायक कार्रवाई करेगा। पाकिस्तान को पता चल गया है कि राजनीति और सेना पोषित आतंकवाद और आतंक की नीति को सीधा और करारा जवाब मिलेगा। भारत पिछले करीब साढ़े चार दशक से

ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई प्रेस से साझा करती कर्नल सोफिया कुरेशी, विदेश सचिव विक्रम मिसरी व व्योमिका सिंह

आतंकवाद को झेल रहा है। पाकिस्तान पहले पंजाब को आतंकवादी आग से झुलसाता रहा, तो बाद के दिनों में जम्मू-कश्मीर में खून बहाता रहा। पाक परस्त आतंकी अगर भारतीय संसद, वाराणसी, जयपुर, मुंबई आदि जगहों पर बेगुनाहों का खून बहाने में कामयाब रहे, तो इसकी बड़ी वजह पाकिस्तान की आतंकवाद केंद्रित नीति रही। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने संदेश दिया है कि अब यह नीति नहीं चलेगी। इस बार आतंकवादियों और उनके सरपरस्तों को जिस तरह भारत ने सफल निशाना बनाया, उसके बाद आतंकी कार्रवाई करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे। ऑपरेशन सिंदूर पर संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में दो-तीन बड़ी बातें कहीं। पहला यह कि खून और पानी साथ नहीं बहेगा। यानी सिंधु जल समझौता स्थगित ही रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टेरर और ट्रेड-यानी आतंक और कारोबार एक साथ नहीं चलेगा। यानी आतंक फैलाने वाले देशों के साथ भारत न तो कारोबार करेगा और न उन्हें कोई विशेष दर्जा देगा। भारत की इस बदली नीति की वजह है बढ़ती आर्थिक ताकत। भारत की स्वदेशी हथियार तकनीक, चाहे वह आकाश मिसाइल हो या रूस के सहयोग से विकसित ब्रह्मोस, उन्होंने अपनी अचूक मारक क्षमता दिखाई है। एक

पाकिस्तान में तबाही मचाने वाली मिसाइल ब्रह्मोस

पाकिस्तान में नेस्तनाबूद एयरबेस

तरफ देश आर्थिक ताकत बढ़ाता जा रहा है, तो दूसरी तरफ सैनिक ताकत भी बढ़ रही है। शांति के लिए मजबूत आर्थिक और सैन्य ताकत जरूरी है। आर्थिक और सामरिक ताकत की वजह से ही भारत अपनी नीति बदल रहा है। भारत की अब तक की नीति रही है कि वह किसी दूसरे देश के मामले में न हस्तक्षेप करेगा और न किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप मंजूर करेगा। ऑपरेशन सिंदूर इस नीति में बदलाव का वाहक बनकर आया है। अब तक भारत आतंक के खिलाफ विदेशी धरती पर कार्रवाई के लिए विदेशी ताकतों पर निर्भर रहता था। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दिखाया है कि अब वह अपनी जनता की रक्षा के लिए किसी की इजाजत का इंतजार नहीं करेगा। भारत ने यह संदेश भी दिया है कि आतंकी और उसके मास्टरमाइंड अब कहीं छिप नहीं सकते। भारत उन्हें खोज निकालेगा और उन्हें उनके किए की सख्त सजा देगा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखाया है कि अगर पाकिस्तान आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी हमला करेगा, तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। आजादी के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर बड़ा मुद्दा रहा है। पाकिस्तान हरसंभव मंचों, अंतरराष्ट्रीय बिरादरी आदि के सामने कश्मीर राग अलापता रहा है और इसके जरिए जरूरी सहयोग और संसाधन भी हासिल करता रहा है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि अब तक भारत-पाक के बीच कश्मीर का नैरेटिव हावी रहा है, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। अब कश्मीर की बजाए आतंक बड़ा नैरेटिव बनकर उभरा है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री का यह कहना, कि अब पाकिस्तान से सिर्फ आतंक और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर बात होगी, भारत की इसी बदली नीति का

पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटक

स्पष्ट संकेत है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान भी भारत ने सीमित कार्रवाई की और संयम का परिचय दिया। ये कार्रवाइयां पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही हुईं। चूंकि भारत का समूचे कश्मीर पर दावा है, लिहाजा इन कार्रवाइयों में यह भी संकेत रहा कि भारत अपनी ही भूमि पर कार्रवाई कर रहा है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने साफ संकेत दिया है कि अब वह आतंक के खिलाफ सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर ही नहीं, समूचे पाकिस्तान में जमीनी तौर पर घुसे बिना ही जोरदार और निर्णायक कार्रवाई कर सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने जहां आक्रामक विदेश नीति का मुजाहिरा किया है, वहीं उसने आतंक के खिलाफ अपने निर्णायक संकल्प और नीति की घोषणा की है। इसके साथ ही स्वदेशी हथियार तकनीक की हुई वैश्विक ब्रांडिंग एक तरह से बोनस कही जा सकती है। इससे जहां स्वदेशी हथियार तकनीक का बाजार बढ़ेगा, वहीं आतंक को लेकर भारत की बदली नीति से पड़ोसी देशों को सचेत रहना होगा।

जन-मन जीतने की तैयारी

जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी

जातिगत जनगणना पर केन्द्र सरकार की मंजूरी की मुहर स्वागत योग्य और सुखद है। इसकी न केवल कांग्रेस बल्कि केन्द्र सरकार के कुछ सहयोगी दल भी मांग कर रहे थे। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में थी। लेकिन केन्द्र सरकार का रूख पिछले दो साल से इस पर बहुत साफ नहीं था। 30 अप्रेल को अचानक ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई राजनीतिक मामलों की उच्च स्तरीय केबिनेट समिति की बैठक में आगामी जनगणना के साथ जातिगत जनगणना को भी मंजूरी दे दी गई।

अमित शर्मा

इसमें दो राय नहीं कि देश में जाति गणना कराने का मुद्दा बीते तीन दशक से, जब से मंडल-कमंडल राजनीति हावी हुई है, केन्द्र में रहा है। आजादी के बाद देश में हुई हर जनगणना में अजा/जजा वर्ग की गणना तो होती रही है, लेकिन ओबीसी सहित अन्य जातियों की गणना से सरकारें बचती रहीं। यहां तक कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-2 ने भी 2011 की जनगणना में जातियों की सामाजिक आर्थिक गणना कराई, लेकिन उसका डाटा आज तक जारी नहीं हुआ। इस जनगणना में ओबीसी जातियों का इतना बड़ा आंकड़ा सामने आया कि सरकार उसे दबा गई। मोदी सरकार ने भी ये आंकड़े उजागर न करने में ही भलाई समझी और जाति गणना की मांग जोर-शोर से उठाने वाले कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी यह मांग कभी नहीं की कि उनकी सरकार के दौरान जातियों की आर्थिक-सामाजिक गणना के आंकड़े मोदी सरकार तो जारी करे।

राहुल गांधी ने सरकार द्वारा जनगणना के साथ ही जातिगणना के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हमारे दबाव में ही सरकार यह फैसला लेने को विवश हुई, लेकिन सरकार आंकड़े जारी करने की टाइमलाइन भी स्पष्ट करे। जहां तक इस मांग को लेकर हिंदू एकता की बात करने वाले राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का सवाल है तो उसने पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद केरल के पलक्कड़ मे आयोजित बैठक में जातिगणना को हरी झंडी दे दी थी। दरअसल संघ ने अपने मंथन में यह बूझ लिया था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत से 32 सीट कम मिलने के पीछे उप्र, बिहार, महाराष्ट्र आदि राज्यों में कांग्रेस, सपा, राजद आदि दलों द्वारा जातिगणना कराने की मांग को मोदी सरकार द्वारा टालते जाना भी प्रमुख कारण रहा है। जातिगणना आरक्षण की आकांक्षा से जुड़ गई है। ओबीसी वर्ग में यह बैचेनी लगातार बढ़ रही है कि उनकी जातियों की सही संख्या व जनसंख्या का प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं होने से उसे सामाजिक न्याय नहीं मिल पा रहा है। दशकों में जहां जातिवादी राजनीति के उभार ने यूपी, बिहार जैसे राज्यों में बरसों सत्ता में

1931 में थीं 4147 जातियां, 2011 में 46 लाख हो गईं

वर्ष 1901 में जब जाति जनगणना हुई थी तो 1646 जातियों की पहचान हुई। वर्ष 1931 में हुई जातिगत जनगणना में कुल 4147 जातियां दर्ज की गई थी। 1980 में मंडल आयोग की रिपोर्ट के आधार पर यही संख्या थी। हालांकि वर्ष 2011 के जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में लगभग तीन वर्ष पहले केन्द्र सरकार ने एक हलफनामा दायर कर यह जानकारी दी थी।

रही कांग्रेस के जनाधार को जातिवादी राजनीति करने वाले दलों की तरफ मोड़ दिया तो बाद में भाजपा और संघ ने ओबीसी को नए सिरे से संगठित कर हिंदुत्व की पताका इसी वर्ग के हाथों में थमा दी हैं। गौरतलब है कि वर्तमान ओबीसी वर्ग को सरकारी नौकरियों और शिक्षा संस्थानों में आरक्षण 1931 की जाति जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही दिया जा रहा है, क्योंकि उसके बाद से जातिगणना हुई ही नहीं। उस जनगणना के हिसाब से देश में सामान्य (अनारक्षित) वर्ग की 46 (मुस्लिम, इसाई, जैन, बौद्ध व पारसी के अलावा), ओबीसी की 2633, अजजा वर्ग की 1270 व अजजा की 748 जातियां हैं, लेकिन मोदी सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग में आरक्षण के न्यायसंगत वितरण के लिए गठित जस्टिस रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ओबीसी वर्ग में जहां 10 जातियों ने आरक्षण का सर्वाधिक लाभ उठाया, वहीं 983 जातियों को कोई फायदा नहीं मिला। इसलिए आयोग ने लाभान्विततता के आधार पर ओबीसी पर जातियों को चार उपश्रेणियों में बांटकर उनके आरक्षण की सीमा तय करने की सिफारिश की थी। यह रिपोर्ट राष्ट्रपति के पास है। वैसे बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में सरकारों ने जाति सर्वे कराया है। लेकिन उसकी वैसी प्रामाणिकता नहीं है, जो देशव्यापी और व्यवस्थित जातिगणना की होगी।

अगर आगामी आम जनगणना के बारे में सोचा जाए, तो जनगणना रिपोर्ट 2031 में सामने आएगी। मतलब, अगर समय पूर्व जनगणना नही हुई, तो जनगणना का काम अगली केन्द्र सरकार, मतलब 2029 में बनने वाली सरकार के समय ही पूरा हो पाएगा। जनगणना 2021 कोरोना महामारी की वजह से मुमकिन नहीं हो पाई। अत: जनगणना 2031 का अगर इंतजार किया जाए तो आश्चर्य की बात नहीं है। यह एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी से करना होगा। हजारों जातियां है और उनकी हजारों उपजातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपने डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा। बहरहाल, इस कठिन कार्य को केन्द्र सरकार ने स्वीकार करके साहस का परिचय दिया है। सौ साल बाद देश अपने जातिगत आंकड़ों से वाकिफ हो सकेगा। पिछली जातिगत जनगणना साल 1931 में सामने आई थी। अब उन जातियों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण जरूरी है, जो विकास की दौड़ में पिछड़ गई हैं। ऐसा न हो कि आरक्षण का लाभ केवल कुछ जातियों तक सीमित रह जाए। सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी ही चुनावी मैदान में टिक सकती है।

कोई संदेह नहीं कि जातिगत आंकड़ों का इस्तेमाल राजनीति में पहले भी होता रहा है, लेकिन अब जो आंकड़े आएंगे, उनका सामाजिक-आर्थिक इस्तेमाल ही ज्यादा होगा। कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिले।

यहां हुआ जाति सर्वे

कर्नाटक: वर्ष 2014 में तत्कालीन सिद्धारमैया सरकार ने जातिगत सर्वेक्षण कराया था, इसे सामाजिक एवं आर्थिक सर्वे का नाम दिया गया। वर्ष 2017 में इसकी रिपोर्ट आई लेकिन इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसमें अधिकतर लोगों ने उपजाति का नाम जाति के कॉलम में दर्ज कराया है। इसके चलते कर्नाटक में अचानक 192 से अधिक नई जातियां सामने आ गई। लगभग 80 नई जातियां ऐसी थीं, जिनकी संख्या 10 से भी कम थी। लिंगायत और वोक्कालिंगा जैसे प्रमुख समुदाय के लोगों की संख्या घट गई। इसे सार्वजनिक नहीं किया गया।

बिहार: कर्नाटक के बाद बिहार की तत्कालीन नीतिश कुमार सरकार ने जातिगत सर्वे कराया। अक्टूबर 2023 में इसे सार्वजनिक किया गया। इसके तहत राज्य में सबसे ज्यादा आबादी पिछड़ा वर्ग की है। राज्य की कुल 63 फीसद आबादी इस वर्ग में आती है। इनमें 27 फीसद आबादी पिछड़ा वर्ग के लोगों की है। वहीं 36 फीसदी अति पिछड़ी जातियों से है। वहीं अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसद है। जो 2011 की जनगणना में महज 15.9 फीसद थी। वहीं, सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 फीसद है।

तेलंगाना: तेलंगाना सरकार ने इसी साल फरवरी में जाति सर्वे रिपोर्ट जारी की थी। इसके अनुसार राज्य की कुल आबादी 3.70 करोड़ है, जिसमें मुस्लिम अल्पसंख्यकों को छोड़कर पिछड़े वर्ग की हिस्सेदारी 46.25 प्रतिशत है। सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में पिछड़े वर्ग (46.25 प्रतिशत), अनुसूचित जाति (17.43 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति (10.45 प्रतिशत), मुस्लिम पिछड़ा वर्ग (10.08 प्रतिशत) और अन्य जातियां (13.31 प्रतिशत) शाामिल हैं।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

दिल्ली के विकास में 'ट्रिपल इंजन'

समर्थकों के साथ नव निर्वाचित महापौर व उपमहापौर

डॉ. विजय प्रकाश विप्लवी

दिल्ली में 25 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद अब दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में भी तकरीबन ढाई साल बाद भाजपा की सरकार फिर से बन गई है। दिल्ली नगर निगम में भी अब भाजपा का 'राजा' है। प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बन गई है। भाजपा के वरिष्ठ पार्षद व दिल्ली नगर निगम में पिछले ढाई साल तक नेता विपक्ष रहे सरदार राजा इकबाल सिंह 25 अप्रेल को दिल्ली के नये महापौर (मेयर) चुने गए। भाजपा के ही जय भगवान यादव उपमहापौर (डिप्टी मेयर) के पद पर निर्वाचित हुए।

राजा इकबाल ने मेयर पद के कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप सिंह को 125 वोटो से हराया। मेयर पद के निर्वाचन के लिए कुल 142 वोट डाले गए, जिसने से 1 वोट अवैध घोषित किया गया। राजा इकबाल को 133 मत प्राप्त हुए वहीं मनदीप सिंह ने 8 मत हासिल किए। इससे पहले राजा इकबाल सिंह तीन भागों में विभाजित में से एक उत्तरी दिल्ली नगर निगम में महापौर रह चुके हैं। वे मुखर्जी नगर, वार्ड संख्या-13 से पार्षद हैं। कांग्रेस के मनदीप सिंह नांगलोई, वार्ड संख्या-47 से पार्षद है। कांग्रेस की डिप्टी मेयर के उम्मीदवार पार्षद अरीबा खान द्वारा नाम वापस लेने के कारण भाजपा के डिप्टी मेयर के उम्मीदवार जयभगवान यादव को निर्विरोध डिप्टी मेयर चुन लिया गया। यादव बेगमपुर, वार्ड संख्या-27 से पार्षद हैं।

क्यों आई चुनाव की नौबत: विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे आने के बाद मौजुदा विधानसभा अध्यक्ष ने संख्याबल के अनुसार भाजपा के 11 विधायक और आप के 3 विधायकों को निगम में नामित किया। इससे महापौर चुनाव में भाजपा के वोट बढ़ गए। साथ ही, विधानसभा चुनाव में भाजपा के 8 और आप के तीन पार्षद विधायक का चुनाव जीत गए। इस तरह से निगम में 250 वार्ड में से अब 12 सीट खाली हैं। जिन पर उपचुनाव होगा। वर्ष 2022 से लेकर 2025 तक आप के कई पार्षद भाजपा में शामिल हुए। निगम में दल बदल कानून लागू नहीं होता, इस कारण भी भाजपा का निगम के सदन में संख्याबल बढ़ता गया।

रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री

दलीय स्थिति

दल	पार्षद	विधायक	सांसद
भाजपा	117	11	07
	कुल वोट 135		
आप	113	03	3
कांग्रेस	8	–	–

वर्ष 2022 में आप को मिली थी जीत

दल	पार्षद	विधायक	सांसद
भाजपा	104	01	07
	कुल वोट 112		
आप	134	14	03
	कुल वोट 151		
कांग्रेस	09	–	–
निर्दलीय	03	–	–

महापौर रहे हैं राजा इकबाल

- राजा इकबाल सिंह सिविल लाइन जोन में वार्ड समिति के उपाध्यक्ष वर्ष 2018 से 2019 के दौरान रहे।
- वर्ष 2018 से 2020 तक निगम की पर्यावरण समिति के अध्यक्ष
- वर्ष 2021 से 2021 के दौरान सिविल लाइंस जोन के अध्यक्ष रहे
- वर्ष 2021 से 2022 तक पूर्ववर्ती उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर पद पर रहे।

शिक्षक रहे हैं जय भगवान

- जय भगवान यादव ने वर्ष 1947 में दरियागंज के टीचर ट्रेनिंग कॉलेज से जूनियर बेसिक टीचर ट्रेनिंग की।
- 2007 से 2012 में पार्षद रहने के दौरान कई पदों पर रहे।
- दूसरी बार वर्ष 2022 में बेगमपुर वार्ड से पार्षद का चुनाव जीते।
- 2007 से 2008 के दौरान निगम की हिंदी समिति के उपाध्यक्ष रहे।

कन्हैयालाल साहू
डायरेक्टर
9660846518

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

जितेन्द्र साहू
डायरेक्टर
9928521329

RS

RAMJI SWEETS

शादी एवं पार्टियों के ऑर्डर लिए जाते है

होलसेल व रिटेल : शुद्ध देशी घी की मावे की एवं बंगाली मिठाइयां, स्पेशल स्पंजी रसगुल्ला

युनिवर्सिटी मैन रोड, उदयपुर- 313001 (राज.)

सदियों तक रेत में दबा रहा जगन्नाथ मंदिर

विकास पोरवाल

ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ धाम में रथयात्रा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा को श्री मंदिर में तीनों देव प्रतिमाओं को स्नान कराया जाएगा। मान्यतानुसार 108 घड़े जल से स्नान के बाद भगवान श्री जगन्नाथ रूग्ण हो जाते हैं और फिर 15 दिन विश्राम के कारण दर्शन नहीं देते। इसे अनासरा विधान कहा गया है। इस दौरान प्रतिमाओं के संरक्षित किए जाने के विधान भी होते हैं। मंदिर 15 दिन बंद रहता है। आषाढ़ अमावस्या को मंदिर के पट खुलते हैं और फिर आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई श्री बलराम व बहिन सुभ्रदा के साथ तीन अलग-अलग रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने के लिए भ्रमण पर निकलते हैं। उनकी विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा इस बार 27 जून को है। लेकिन यह बात बहुत लोग नहीं जानते होंगे कि पुरी स्थित मंदिर निर्माण के बाद सदियों तक रेत में दबा रहा था।

उत्कल क्षेत्र के राजा इंद्रद्युम्न और उनकी पत्नी गुंडिचा ने बड़े ही परिश्रम से भगवान नीलमाधव के लिए मंदिर बनवाया। हनुमानजी ने इसमें उनकी सहायता की। राजा के भाई विद्यापति नीलमाधव के प्राचीन विग्रह को खोज लाए, जो कि एक भील कबीले के पास संरक्षित था। देव शिल्पी विश्वकर्मा बूढ़े शिल्पकार के वेश में आए और उन्होंने सशर्त भगवान जगन्नाथ की प्रतिमाएं तैयार कर दीं। इन प्रतिमाओं मे

विग्रह समाहित कर फिर इन्हें मंदिर में स्थापित किया। अब प्रश्न था, मंदिर और देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का। राजपरिवार मंदिर में अभी यह विचार कर ही रहा था कि वहां देवर्षि नारद प्रकट हुए। राजा ने उनसे कहा कि श्रीमंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आपसे बेहतर पुरोहित कौन होगा? देवर्षि नारद ने कहा कि इस विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा तो ब्रह्माजी को ही करनी चाहिए। आप मेरे साथ चलिए और उन्हें आमंत्रण दीजिए, वे जरूर आएंगे।

राजा इसके लिए सहर्ष तैयार हो गए। नारद ने कहा कि राजन, ब्रह्मलोक चलने से पहले अपने परिवार से आखिरी बार मिल तो लीजिए। आप मनुष्य हैं, ब्रह्मलोक जाने और वहां से लौटने तक धरती पर बहुत समय व्यतीत हो चुका होगा। कई शताब्दियां लग जाएंगी। जब आप लौटेंगे तो न आपका राजपरिवार रहेगा और न ही यह राज्य। सगे संबंधी भी जीवित नहीं रहेंगे। पुरी नीलांचन क्षेत्र में किसी और राजा का शासन रहेगा। रानी गुंडिचा ने कहा कि, जब तक आप लौटकर नहीं आते मैं प्राणायाम के जरिये समाधि में रहूंगी और तप करूंणी। उनके भाई विद्यापति और भाभी ललिता ने कहा कि हम रानी की सेवा करते रहेंगे। राजा देवर्षि नारद के साथ ब्रह्मलोक पहुंचे और ब्रह्माजी से प्राण प्रतिष्ठा के लिए आग्रह किया। ब्रह्मदेव ने राजा की बात मान ली और जब उनके साथ श्रीक्षेत्र पहुंचे तब तक कई सदियां बीत चुकी थीं। राजा के सभी परिजनों की मृत्यु हो चुकी थी, बल्कि उनके सभी संबंधियों की पीढ़ियों में कोई नहीं बचा था। इस दौरान श्री मंदिर भी समय की परतों के साथ रेत के नीचे दब गया और सदियों तक रेत में ही रहा।

इस दौरान पुरी में एक और राजा हुआ गालु माधव। एक दिन समुद्री तूफान आया और इसके कारण सागर किनारे बने श्री मंदिर का शिखर रेत से बाहर निकल आया। राजा गालु माधव ने खुदाई करानी शुरू की तो उन्हें रेत के नीचे दबा हुआ मंदिर मिला। राजा उसकी स्थापना की तैयारी करने लगे। इसी दौरान राजा इंद्रद्युम्न ब्रह्म देव को लेकर आ गए। वे जब मंदिर के द्वार से प्रवेश करने लगे तो नए राजा के पहरेदारों ने उन्हें रोक दिया और उनको बंदी बनाकर दरबार में पेश किया गया।

राजा गालु माधव को उन्होंने पहले की घटी सभी घटनाओं और ब्रह्माजी के साथ आने की बात बताई। इधर, रानी गुंडिचा को भी अपने पति के लौट आने का अहसास हुआ तो वह भी समाधि से उठीं। यह सब जानकर गालु माधव ने खुद को राजा की शरण में सौंप दिया और उनसे कृष्ण भक्ति पाने की प्रार्थना की। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करनी ही थी। ब्रह्मदेव ने एक यज्ञ कराकर रानी गुंडिचा और राजा इंद्रद्युम्न के हाथों जगन्नाथ भगवान की प्राण प्रतिष्ठा कराई। प्रतिष्ठा होते ही भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ प्रकट हो गए। उन्होंने राजा को आशीष देकर उनसे मनचाहा वर मांगने को कहा। राजा ने मांगा कि जिन सैनिकों-श्रमिकों ने मंदिर के निर्माण और इसे फिर से रेत से निकाल लेने का श्रम किया, उन सभी पर अपनी कृपा बनाए रखना। भगवान मुस्कुराए और बोले, राजन तुम्हारी इच्छानुसार सभी सेवकों-श्रमिकों पर मेरी कृपा रहेगी। उनकी पीढ़ियां ही मंदिर के अलग-अलग कार्यों में सेवाएं देंगी। तब से मंदिर में रथ के अलावा नई प्रतिमाओं का निर्माण भी उन्हीं कर्मकारों के वंशज ही कर रहे हैं। नबाकलेबरा विधान में भगवान की प्रतिमाएं बदल दी जाती हैं। इसके बाद भगवान रानी गुंडिचा की ओर मुड़े और कहा आपने तो मां की तरह मेरी प्रतीक्षा की है, आप मेरी माता समान हैं मौसी गुंडिचा! मैं वर्ष में एक बार आपसे मिलने जरूर आऊंगा। जिस स्थान पर आपने तपस्या की थी, वह स्थान अब मेरी मौसी गुंडिचा का होगा। इसे देवी पीठ के तौर पर मान्यता मिलेगी। हम तीनों भाई-बहन आपके पास आया करेंगे और संसार इसे रथयात्रा के तौर पर जानेगा। इसके साथ ही पुरी के हर राजा को रथयात्रा मार्ग को स्वर्ण झाड़ से बुहारने का सौभाग्य मिलेगा। रथयात्रा के मार्ग को बुहारने की प्रथा छेरा पहरा कहलाती है। इसी के बाद से जगन्नाथ पुरी भगवान का घर और धरती पर नारायण का वैकुंठ बन गया। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन भगवान का प्राकट्य हुआ था, इसे उनके जन्म के तौर पर देखा जाता है और फिर 15 दिन के विश्राम के बाद उन्हें गर्भगृह से बाहर लाकर सभी को दर्शन कराए जाते हैं और रथयात्रा निकाली जाती है। यहीं परम्परा आज भी जारी है।

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें, झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें।
-धम्मपद

Virender Kabra
Director
+ 91 93525 00759

SATISFACTION 100% GUARANTEE

Rakesh Kabra
Director
+ 91 94621 68691

JAI SHREE TRADERS

Authorised Distributor

• HIKOKI Power Tools • Garg Machine • Keapoxy • Lethal Rtu/TC • Araldite Adhesive • FOSROC (Cons. Solu.) • Bond Tite Adhesive • AKEMI (Stone Chemical) • Lapox (Epoxi Ch.) • MRF Special Coatings • Abro Masking Tape • Dow Silicon • MRF Vapocure Paints • Reliance RecronTM 3S • Grindwell Norton Ltd

34, Ashwini Bazar, Udaipur - 313 001 (Raj.) Ph.: 0294-2415387 (O), 2484898 (R)
E-mail: jaishreetrader@gmail.com Website: www.jaishreetrader.nowfloats.com

तन-मन को साधे योग

आधुनिक जीवन शैली में हर कोई आज तनाव का शिकार है। किसी को ऑफिस की टेंशन है तो किसी को परिवार की। तनाव के चलते लोगों के मस्तिष्क पर विपरीत असर पड़ता है। साथ ही ये कई बीमारियों का कारण भी बन जाता है। तनाव से दूर तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए योगासन जरूरी है।

पं. सत्यनारायण चौबीसा

महर्षि पतंजलि ने ध्यान, प्राणायाम, आसन, संयम, समाधि आदि का वैज्ञानिक तरीके से वर्णन किया है। उन्होंने इसके स्वास्थ्य पर प्रभाव और इम्युनिटी के जो सूत्र प्रतिपादित किए, वे आज दुनियाभर में लोग अपना रहे हैं। अमरीका में इस पर वर्षों तक शोध हुआ और हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और कई चिकित्सा संस्थान योग को मानसिक स्वास्थ्य और बीमारियों के इलाज में कारगर मान चुके हैं। योग विज्ञान को मान्यता देते हुए वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया है।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज

बहुत ज्यादा तनाव होने पर सांसों का स्तर बहुत बढ़ जाता है, जिससे मांसपेशियों में तनाव, चिंता, सिर में तेज दर्द की शिकायत काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर कुछ बहुत ही आसान डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज की जाए, तो शरीर से तनाव को कम किया जा सकता है।

मांसपेशियों को आराम

एरोबिक्स या लाइट जिमिंग तनाव से राहत देता है। व्यायाम करने से तनाव वाली मांसपेशियों को आराम मिलता है। आपको अच्छी नींद आती है। जिससे आप तनाव मुक्त रहते हैं। नियमित व्यायाम करने से न केवल हम शरीर से बल्कि दिमाग से भी तंदुरुस्त रहते हैं।

हार्मोन का स्राव

नियमित रूप से व्यायाम करने से आप स्वस्थ तो रहते ही हैं, साथ ही व्यायाम चिंता, अवसाद और तनाव को भी कम करता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने पर खुशी प्रदान करने वाले एंडोर्फिन नामक हार्मोन की मात्रा में वृद्धि होती है और तनाव हार्मोन कार्टिसोल के स्तर में कमी आती है, जिससे शरीर तनावमुक्त हो जाता है।

मन होता है शांत

योग भी व्यायाम का एक प्रकार है जो मन को शांत तथा शरीर की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। योग से आप स्वस्थ रहते हैं। भारत ही नहीं विदेशों में भी योग काफी प्रचलित है। योग करने से अधिकांश लोगों को फायदा मिलता है। तनाव से राहत के लिए शुरु में सामान्य योग करना चाहिए।

देता है दर्द से छुटकारा

लगातार कई घंटों तक एक स्थिति में काम करते रहने से कंधे और गर्दन में दर्द की समस्या होने लगती है। आमतौर पर इस तरह की समस्या ऑफिस में काम करने वाले लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है। इसके लिए किसी प्रकार की दवा लेने से बेहतर है कि आप योग का सहारा लें।

तनाव व चिंता से राहत

धनुरासन, जिसे धनुष मुद्रा के रूप में जानते हैं। यह एक ऐसा योग अभ्यास है जिसे करने से तनाव और चिंता से राहत मिलती है। नियमित रूप से इस असान के करने से आपके कंधे, हाथ, गर्दन, पेट, पीठ, जांघों और मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। धनुरासन को करने के लिए आप साफ जगह पर चटाई को बिछाएं और पेट के बल सो जाएं। इसके बाद धीरे-धीरे एड़ियों को हाथों से पकड़कर पैरों को ऊपर की तरफ ले जाएं। इसके बाद जांघों को ऊपर की तरफ उठाने के बाद दोनों हाथों से पैरों को पीठ की तरफ खींचिए। अपनी क्षमता के अनुसार सिर और जांघों को ऊपर की तरफ उठाने की कोशिश करें।

With Best Compliments

"श्री आदिनाथाय नमः"

शत् शत् नमन

Rishabh Jain

JAI-MEWAR

TOURIST AGENCY

An ISO 9001:2008 Certified Company

Contractor,
Travel Agent & Tour Operator of
A.C. Luxury Coaches & Mini Coaches
Tempo Travellers,Tavera,Innova,
Lusury Car Etc. & Hotel Reservations for
Group Tours, Honeymoon Packages,
L.T.C./L.F.C., All India Tours
Marriages,Picnics,Yatras etc.

+91 8619343478, +91 9414161999
jaimewar999@rediffmail.com
www.jaimewarbuses.com

15, City Station Road, Nr. Hotel Pathik, Udaipur (Raj.) 313 001

दिमाग में न चढ़ पाए गर्मी

गर्मी का मौसम है तो गर्मी लगेगी ही। लेकिन इस बात को लेकर इतना परेशान क्यों हैं कि हर वक्त गर्मी की बातें करते उसे कोसते ही रहते हैं। प्रकृति की सौगात में एक ऋतु यह भी है। इस मौसम में भी प्रकृतिस्थ ओर खुश रहना मुश्किल नहीं है। गर्मी ही बरसात लाएगी।

जयंती रंगनाथन

गर्मी के मौसम में ऐसा नहीं है कि काम रुक जाता है। आप याद करें अपना बचपन, सबसे ज्यादा इंतजार आपको इन्हीं दिनों का होता था। गर्मी की छुट्टियां, मतलब स्कूल की छुट्टियां, खेलना-कूदना-घूमना, बाहर जाना। मौसम की परवाह ही नहीं रहती थी। अपने आपसे पूछिए कि ऐसा क्या था? दरअसल बचपन में हमने कभी गर्मी को अपने सिर पर हावी होने नहीं दिया। रातों को खुली छत पर चांद-तारों को निहारते हुए सोना, सुबह लंबी सैर पर निकल जाना, तेज धूप में दोस्तों के साथ खेलना और दोपहर को दादी-नानी से कहानियां सुन कर उनकी गोद में ही सो जाना। इस आनंद को जब याद करेंगे तो चहरे पर मुस्कान ही आएगी, गर्मी बिलकुल नहीं सताएगी।

जुड़ें प्रकृति के साथ

हर मौसम का अपना मिजाज होता है। प्रकृति अपने अलग रूप में होती है। गर्मी के दिनों की सुबहें प्रकृति के साथ बिताने का अच्छा वक्त होता है। इस समय नदी, समंदर किनारे या बगीचे में भ्रमण, पक्षियों का कलरव, फूल पत्तियों की सुगंध आपको तरोताजा कर देगी, कुछ इस तरह कि दिनभर आप तरोताजा महसूस करेंगे।

गर्मियों के दिनों में अपना शारीरिक-मानसिक संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। हर रोज

कुछ ऐसा करें, जिससे आप अंदर से बाहर तक ठंडा महसूस कर सकें। योग, व्यायाम और नरम आचरण आपको ऊर्जा से भर देगा। आप अगर भीतर से संतुलित हैं, शीतल हैं तो बाहर का मौसम आपको कम परेशान करेगा। जर्मन के प्रसिद्ध लेखक ब्लॉगर और इन्फ्लुएंसर जॉन वेलेथॉन के अनुसार हर दिन का अनुशासन हमें प्रकृति के साथ चलने में मदद करता है। सर्दी, बरसात हो या गर्मी, आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी ठीक उसी तरह गुजारें, जैसे हर दिन गुजारते हैं। मौसम कोई बहाना नहीं होता, बल्कि जीवन के चलने की लय है।

गर्म क्यों होते हैं आप?

चर्चित पुस्तक 'वेलनस' के लेखक नाथन हिल कहते हैं- नकारात्मक भावनाओं में भी गर्मी होती है और अगर आप ज्यादा समय तक इस भाव के साथ रहते है तो गुस्सा आना और बीमार होना जायज है। क्रोध भी शरीर का पारा बढ़ाता है और तनाव भी। आप जितना इनसे दूर रहेंगे, भीतर से ठंडा महसूस करेंगे। ऐसी कोई भी बात, जिससे आपको तनाव होता है, गुस्सा आता है, बचें। ऐसे माहौल की नकारात्मकता बीमार बना देगी।

शीतल बनिए

आपके मित्रों और रिश्तेदारों की सूची में भी कुछ नाम ऐसे होंगे, जिनके जिक्रभर से आपके होठों पर मुस्कराहट आ जाएगी, मन शांत हो जाएगा। ऐसे मित्रों से मिले जो कूल हों। जिनसे मिलकर आपको खुशी मिलती है और जिनका साथ आपको आश्वासन देता है। मित्रों के साथ अच्छा वक्त बिताएं, अपनी पसंद का खेल खेलें, फिल्म देखें, कुछ ठंडा खाएं। ये सब गतिविधियां आपको हल्का महसूस कराएंगी। गर्मी के मौसम में खान-पान और रहन-सहन भी अहम भूमिका निभाते हैं। हल्का, सुपाच्य,, ठंडा और कम खाना खाइए।

साधारण भाषा के असाधारण संत

ऐसे दौर में जब धन को धर्म पर प्रधानता दी जा रही, पाखंड बढ़ रहा है, स्वार्थ के वशीभूत हर कोई ऐरा–गैरा प्रवचन के नाम पर कॉपी पेस्ट भाषा बोल रहा है। सेवा और संस्कारों की दुहाई दे रहा है। ऐसे समय में संत कबीर प्रासंगिक हैं। जिनके भीतर कोई लाग लपेट नहीं है। वे पाखंड और आडम्बरों का तिरस्कार करने से कभी नहीं हिचके। आमजनों पर कबीर की वाणी इसलिए भी ज्यादा असर छोड़ती है, क्योंकि उनकी कथनी और करनी में जरा भी फर्क नहीं है। कबीर जयंती (11 जून) के अवसर पर प्रस्तुत है–ओशो द्वारा संत कबीर पर दिए गए प्रवचन का अंश।

भाव समझोगे तो मिलेंगे कबीर

ओशो

संत तो हजारों हुए हैं, पर कबीर ऐसे हैं, जैसे पूर्णिमा का चांद। अतुलनीय, अद्वितीय! जैसे अंधेरे में कोई अचानक दीया जला दे, ऐसा यह नाम है। जैसे मरुस्थल में कोई मरूद्यान अचानक प्रकट हो जाए, ऐसे अद्भुत और प्यारे उनके गीत हैं। मैं कबीर के शब्दों का अर्थ नहीं करूंगा। शब्द तो सीधे-सादे हैं। कबीर तो दीवानें हैं। और दीवानें ही केवल उन्हें समझ पाए और दीवाने ही केवल समझ सकते हैं। कबीर मस्तिष्क से नहीं बोलते। यह तो हृदय की वीणा की अनुगूंज है। और तुम्हारे हृदय के तार भी छू जाएं, तुम भी बज उठो, तो ही कबीर को समझ सकते हो। कबीर को पीना होता है, चुस्की-चुस्की। और डूबना होता है। भाषा पर अटकोगे, चूकोगे, भाव पर जाओगे तो पहुंच जाओगे। भाषा तो कबीर की टूटी-फूटी है। वह बे पढ़े-लिखे थे। लेकिन भाव अनूठे हैं। भवा पर जाओगे तो... । बहुत श्रद्धा से ही कबीर समझे जा सकते हैं। कबीर के पास न तर्क है, न विचार है, न दर्शन शास्त्र है। शास्त्र से कबीर का क्या लेना देना। कहा कबीर ने 'मसि कागज छुओ नहीं।' कभी छुआ ही नहीं जीवन में कागज, स्याही से कोई नाता ही नहीं बनाया। सीधी-सीधी अनुभूति है: अंगार है, राख नहीं। राख को तो तुम संभाल कर रख सकते हो। अंगार को संभालने के लिए श्रद्धा चाहिए, तो ही पा सकोगे यह आग। कबीर आग हैं। एक घूंट भी पी लो तो भीतर अग्नि भभक उठे-सोई हुई अग्नि जन्मों-जन्मों की। तुम भी दीये बनो। तुम्हारे भीतर भी सूरज उगे। और ऐसा हो, तो ही समझना कि कबीर को समझा।

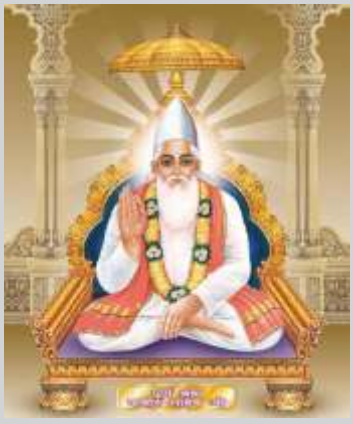

('भारत एक सनातन यात्रा' पुस्तक से साभार)

मौसम का फल

शरीर में शीतलता के लिए गर्मी में खाएं पपीता

डॉ. सुनील शर्मा

जैसे–जैसे गर्मियों में तापमान बढ़ता है, हमारे शरीर को नमी बनाए रखने की काफी ज्यादा आवश्यकता होती है। पपीता एक ऐसा फल है, जो गर्मियों में शरीर में नमी के साथ–साथ उसे ठंडा रखने में मदद करता है। पपीते में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जिस कारण इसे 'सुपर फूड' कहा जाता है।

हाइड्रेटेड रखने में करे मदद : पपीते में लगभग 88 फीसदी पानी होता है, जिस कारण यह हमें हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इसे खाने से शरीर में जरूरी इलैक्ट्रोलाइट जैसे पोटाशियम की पूर्ति होती है।

पाचन में सुधार : गर्मी पाचन को धीमा कर सकती है, जिससे हम अपने को सुस्त महसूस कर सकते हैं। पपीते में पपेन होता है, जो एक शक्तिशाली पाचन एंजाइम है जो प्रोटीन को तोड़ने में मदद करता है और हैल्दी गट को बढ़ावा देता है। यह अपच, सूजन और कब्ज के लिए एक प्राकृतिक उपचार है।

इम्यूनिटी बूस्ट करे : एक कप पपीता में विटामिन 'सी' 150 प्रतिशत पाया जाता है। विटामिन 'सी' हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करता है। यह धूप से डैमेज स्किन को रिपेयर करने में भी मदद करता है और स्किन में मौजूद अच्छे तत्व 'कोलेजन' को बढ़ाता है।

त्वचा के लिए गुणकारी: पपीता बीटा–कैरोटीन, विटामिन 'ए' और एंडीऑक्सीडैंट्स से भरपूर होता है। ये पोषक तत्व फ्री रैडिकल्स से लड़ते हैं, उम्र बढ़ने को धीमा करते हैं और स्किन को पराबैंगनी किरणों से बचाते हैं। नियमित सेवन से टैन कम करने, सनबर्न को हल्का करने और त्वचा की रंगत को एकसमान करने में मदद मिल सकती है, जिससे गर्मियों में प्राकृतिक चमक मिलती है।

लो कैलोरी फूड : क्या आप मीठा खाना लेकिन ब्लोटिंग का सामना नहीं करना चाहते? पपीता आपके लिए बेहतरीन ऑप्शन है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है, लेकिन इसमें कैलोरी और फैट की मात्रा काफी कम होती है। यह उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो गर्मियों में बैलेंस डाइट लेना चाहते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद : तेज धूप का मतलब है, किरणों के संपर्क में आना, जो आपकी आंखों पर दबाव डाल सकती हैं। पपीते में मौजूद ल्यूटिन, जेक्सैंथिन और विटामिन 'ए' आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और उम्र से संबंधित 'मैक्यूलर डिजैनरेशन' और अत्यधिक धूप के कारण होने वाले स्ट्रैस से आंखों को बचाते हैं।

कॉन्क्लेव ने रॉबर्ट प्रीवोस्ट को चुना नया पोप

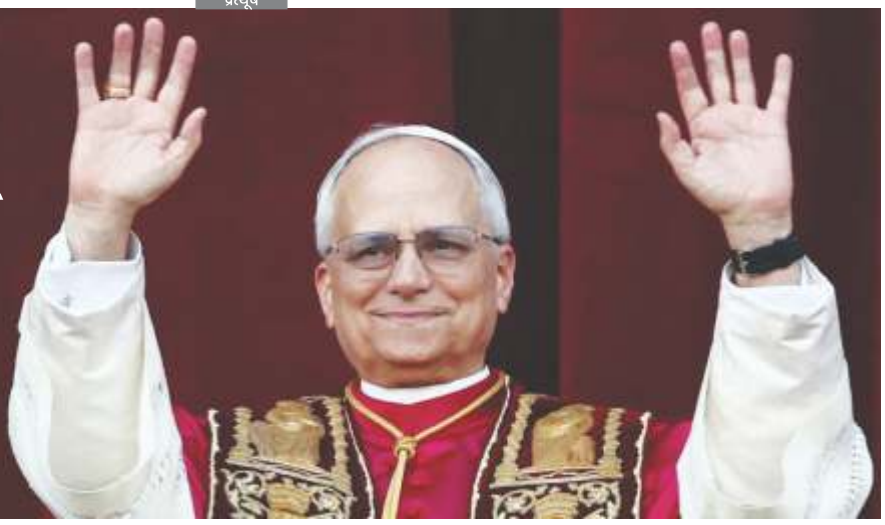

डॉ. सुनील दाधीच

ईसाई कैथोलिक धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के 16 दिन बाद 8 मई को सेंट पीटर्स स्क्वायर में रॉबर्ट प्रीवोस्ट को पोप चुन लिया गया। दो हजार साल पुरानी परम्पराओं से युक्त रोमन कैथोलिक चर्च के इतिहास में पहली बार एक अमरीकी कार्डिनल को पोप चुना गया। वे पोप लियो चौदहवें के नाम से अपने अनुयाइयों का नेतृत्व करेंगे। पोप फ्रांसिस (88) का 21 अप्रेल को वेटिकन सिटी में निधन हो गया था। उनके अंतिम संस्कार में भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू सहित 170 देशों के राज्याध्यक्षों-प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी से अपने पहले संबोधन में निर्वाचित पोप लियो चौदहवें ने लोगों को संबोधित करते हुए भावुक अंदाज में कहा-मैं एक ऑगस्टीनियन पादरी भी रहा हूं, लेकिन उससे भी पहले में एक ईसाई हूं, एक बिशप हूं और इसलिए हम सब मिलकर साथ चल सकते हैं। दिवंगत पोप फ्रांसिस लगभग 12 वर्षों तक रोमन कैथोलिक चर्च का नेतृव करते रहे और इस दौरान उन्होंने पूरी दुनिया में अपने लिए सम्मान अर्जित किया। वह जहां भी जाते थे, उन्हें देखने के लिए लोग उमड़ पडते थे। पद पर रहते हुए उन्होंने लोगों को सदा सद्भावना का संदेश दिया। मृत्यु के एक दिन पूर्व उन्होंने ईस्टर संडे के अपने संबोधन में विचार की स्वतंत्रता और सहिष्णुता का आह्वान किया था। बेसिलिका की बालकनी से उन्होंने 35000 से अधिक लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं दी थीं और आशीर्वाद देते हुए कहा था, धर्म की स्वतंत्रता, विचार की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरों के विचारों के सम्मान के बिना शांति नहीं हो सकती। जाहिर है, उनका इशारा दुनिया के संकटग्रस्त समुदायों की ओर था। पोप फ्रांसिस दुनिया में युद्ध रोकने की कोशिश सतत करते रहे। उन्हें हमेशा इस बात की चिंता रही की यहूदियों को निशाना न बनाया जाए। अरब दुनिया में यहूदी विरोधी भावना न फैले। गरीबों के प्रति अपने विनम्र व्यवहार और गहरी करुणा के लिए उन्हें याद किया जाएगा। पोप बेनेडिक्ट के इस्तीफे के बाद 2013 में वह पोप चुने गए थे। गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों के चलते फ्रांसिस को झुग्गियों के पोप उपनाम से भी पुकारा गया। वह निरंतर गरीबों के बीच जाते रहे। गरीबों के हित में सामाजिक न्याय की पैरोकारी करते रहे। वह चर्च को उपेक्षितों और उत्पीड़ितों की शरणस्थली के रूप में देखते थे।

पहले गैर यूरोपीय पोप: जॉर्ज मारियो बेगोलियो यानी पोप फ्रांसिस 2013 में कैथोलिक ईसाइसों के सबसे बड़े धर्मगुरु बनने वाले पहले गैर यूरोपीय थे। उन्होंने 1300 साल का रेकॉर्ड तोड़ते हुए पोप का पद हासिल किया।

रॉबर्ट प्रीवोस्ट कौन है?

69 वर्षीय रॉबर्ट प्रीवोस्ट एक अमरीकी मिशनरी है, जिन्होंने वर्षों तक पेरू में सेवा की। 2023 में उन्हें तत्कालीन पोप फ्रांसिस ने वेटिकन बुलाकर बिशप नियुक्तियों के लिए जिम्मेदार शक्तिशाली कार्यालय का प्रमुख नियुक्त किया था। यह पद कैथोलिक चर्च में सबसे प्रभावशाली भूमिकाओं में से एक माना जाता है। इस पद के चलते प्रीवोस्ट को कॉन्क्लेव से अपने लिए खासा महत्व मिला। उन्हें 69 देशों के प्रतिनिधियों ने चुना।

पर्सन ऑफ द ईयर रहे

वर्ष 2013 में पोप फ्रांसिस टाइम मैगजीन की ओर से पर्सन ऑफ द ईयर नामित होने वाले पहले पोप बने। उनकी गर्मजोशी, विनम्रता और आम आदमी के प्रति स्नेह और समर्पण को देखते हुए उन्हें पीपुल्स पोप कहा जाता था। पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के सन लोरेंजो फुटबाल क्लब के सपोर्टर थे।

Vijay Kothari
9829041429

With Best Compliments

AAKAR
BUILDERS & DEVELOPERS

For Sale & Purchase of Plot,
Lands & Building
For all type of Residential &
Commercial Constructions

Office: "Aakar Complex Building," Keshav Nagar,
University Road, Udaipur - 313001 (Raj.)

Resi.: "Hira Niwas," 9-10 Keshav Nagar,
University Road, Udaipur - 313001 (Raj.)

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

श्रीमती उषा देवी चेरिटेबल ट्रस्ट™
HELPING HAND FOR THE NEEDY

श्रेष्ठ धर्म मानव सेवा

श्रीमती उषादेवी चेरिटेबल ट्रस्ट

14 वर्षों से समाज सेवा में निःस्वार्थ समर्पित संस्था

रक्तदान-महादान

रक्तदान-जीवन-दान

बलवन्त सिंह कोठारी
मो. 9461016111

विजय कोठारी
मो. 9829041429

हर्षिल शाह
मो. 8619787430

जी-1, आकार कॉम्पलेक्स बिल्डिंग, केशवनगर उदयपुर (राज.)

धर्मसेना के महानायक गुरु हरगोबिंद सिंह

सिख समाज की स्थापना का मुख्य मकसद धर्म रक्षा था। सिख समाज के दसों गुरुओं ने इस बात का ध्यान रखा और इसके लिए प्राणों के बलिदान की भी पर्वाह नहीं की। इसी गुरु परम्परा में श्री हर गोबिंद सिंह छठे गुरु थे। जिन्होंने एक सुदृढ़ धर्म रक्षा सेना का गठन किया और अपने पिता गुरु अर्जुनदेव के पद चिह्नों पर चलते हुए सिक्ख पंथ को योद्धा-चरित्र प्रदान किया। प्रस्तुत है उनकी जयंती पर *अमरजीत सिंह वावला* का विशेष आलेख

गुरु हरगोबिंद सिंह का शुरु से ही युद्ध की प्रति झुकाव था। गुरु हरगोबिंद सिंह ने अपना ज्यादातर समय युद्ध प्रशिक्षण एवं युद्ध कला में लगाया। मुगलों के विरोध में गुरु हरगोबिंद सिंह ने अपनी सेना संगठित की और अपने शहरों की किलेबंदी की। 1609 में उन्होंने अमृतसर में अकाल तख्त (ईश्वर का सिंहासन) का निर्माण किया, इसमें संयुक्त रूप से एक मंदिर और सभागार है, जहां सिख राष्ट्रीयता से संबंधित आध्यात्मिक और सांसारिक मामलों को निपटाया जा सकता था। इनके पिता अर्जुनदेव सिख धर्म के पांचवे गुरु थे। जो शिरोमणि सर्वधर्म समभाव के प्रखर पैरोकार होने के साथ-साथ धर्म और मानव मूल्यों के लिए अपना बलिदान देने वाले प्रकाश-पुंज थे। गुरु हरगोबिंद सिंह का जन्म 14 जून सन 1595 में बड़ाली में हुआ था। उन्होंने सिक्ख समुदाय को धर्म रक्षार्थ अस्त्र-शस्त्र का प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। वे स्वयं भी क्रांतिकारी विचारों वाले योद्धा थे। गुरु हरगोबिंद सिंह जी की बढ़ती शक्ति से घबरा कर तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर ने उन्हें और उनके 52 साथियों को ग्वालियर के किले में बंदी बनाया हुआ था। मुगल बादशाह जहांगीर ने सिखों की मजबूत होती हुई स्थिति को खतरा मानकर गुरु हरगोबिंद सिंह को ग्वालियर में कैद कर लिया। गुरु हरगोबिंद सिंह बारह वर्षों तक कैद में रहे। इस दौरान उनके प्रति सिखों की आस्था और मजबूत हुई। रिहा होने पर उन्होंने शाहजहां के खिलाफ विद्रोह कर दिया और 1628 ई में अमृतसर के निकट संग्राम में शाही फौज को हरा दिया। जहांगीर की मृत्यु (1627) के बाद नए मुगल बादशाह शाहजहां ने उग्रता से सिक्खों पर अत्याचार शुरु किया। मुगलों की अजेयता को झुठलाते हुए गुरु हरगोबिंद के नेतृत्व में सिक्खों ने चार बार शाहजहां की सेना को मात दी। अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित आदर्शों में गुरु हरगोबिंद सिंह ने एक और आदर्श जोड़ा, सिक्खों का यह अधिकार और कर्तव्य है कि अगर जरूरत हो तो वे तलवार उठाकर भी अपने धर्म की रक्षा करें। अपनी मृत्यु से ठीक पहले गुरु हरगोबिंद सिंह ने अपने पोते गुरु हर राय को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया। गुरु हरगोबिंद सिंह केवल धर्मोपदेशक हीं नहीं, कुशल संगठनकर्ता भी थे। उन्होंने ही अमृतसर में अकाल तख्त (ईश्वर का सिहांसन) का निर्माण किया। अमृतसर के निकट लोहागढ़ नामक किला बनवाया। उन्होंने बड़ी कुशलता से अपने अनुयायियों में युद्ध के लिए इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास पैदा किया। सन 1644 ई में कीरतपुर (पंजाब) में उनकी मृत्यु हो गई। गुरु हरगोबिंद सिंह ने सिख धर्म को जरूरत के समय शस्त्र उठाने की ऐसी सीख दी जो आज भी इस धर्म की विरासत है।

प्रत्यूष
समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका
प्रत्यूष *(बहुरंगी हिन्दी मासिक)*
के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।
पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

Rameshchandra Menaria

BALAJI
PROPERTIES

Akshat Menaria
99299 77482

BALAJI PROPERTY

Sec. No 6, Main Road, Opposite Police Station,
Panerion Ki Madri, Udaipur (Raj)

SHREE BALAJI FUEL STATION

Bharat Petroleum

BALAJI FILLING STATION

100 Feet Road, New Swami Nagar, Near
Parhuram Choraya, Panerio Ki Madri, Udaipur

Jhamar Kotada Road, Near Matun
Mines, Lakadwar, Udaipur (Raj.)

E-mail: balajifilling@gmail.com

ओमप्रकाश अग्रवाल
डायरेक्टर
73574–16441

अनुज गर्ग
डायरेक्टर
97820–62721

ॐ Group

ओम रियल स्टेट

209, राधे प्लाजा, हिरण मगरी, सेक्टर–4, उदयपुर (राज.)
मो. 7357416441, 9782062721

OM REAL ESTATE

209, Radhey Plaza, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur (Raj.)
Ph.: 7357416441, 9782062721

पति के प्राण यमराज से वापस लौटाने में सफल देवी सावित्री भारतीय संस्कृति में संकल्प और साहस की प्रतीक हैं। उनके दृढ़ संकल्प का ही उत्सव है- वट सावित्री व्रत

लोक संस्कृति में वट वृक्ष की पूजा

कृष्ण कुमार

यमराज के सामने खड़े होने का साहस करने वाली सावित्री की पौराणिक कथा भारतीय संस्कृतिक का अभिन्न हिस्सा रही है। सावित्री के दृढ़ संकल्प का उत्सव है वट सावित्री व्रत। इस व्रत की उत्तर भारत में बहुत मान्यता है। इस बार यह 8-10 जून को पड़ रहा है। इसे ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी से तीन दिन तक मनाया जाएगा। कुछ जगहों पर एक दिन की निर्जल पूजा होती है। दक्षिण भारत में यह वट पूर्णिमा के नाम से ज्येष्ठ पूर्णिमा को मनाया जाता है।

इस व्रत में वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है। वट वृक्ष को आयुर्वेद के अनुसार परिवार का वैद्य माना जाता है। प्राचीन ग्रंथ इसे महिलाओं के स्वास्थ्य से जोड़कर भी देखते हैं। संभवत: यही कारण है कि जब अपने परिवार के स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना हो, तो लोकसंस्कृति में वट वृक्ष की पूजा को प्रमुख विधान माना गया है। वट सावित्री व्रत का उल्लेख पौराणिक ग्रंथों-स्कंद पुराण व भविष्योत्तर पुराण में भी विस्तार से मिलता है। महाभारत के वन पर्व में इसका सबसे प्राचीन उल्लेख मिलता है। महाभारत में जब युधिष्ठिर ऋषि मार्कंडेय से संसार में द्रोपदी समान समर्पित और त्यागमयी किसी अन्य नारी के ना होने की बात कहते हैं, तब मार्कंडेय जी युधिष्ठिर को सावित्री के त्याग की कथा सुनाते हैं।

पुराणों में वर्णित सावित्री की कथा इस प्रकार है- राजर्षि अश्वपति की एकमात्र संतान थी सावित्री। सावित्री ने वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को पति रूप में चुना। लेकिन जब नारद जी ने उन्हें बताया कि सत्यवान अल्पायु है, तो भी सावित्री अपने निर्णय से डिगी नहीं। वह समस्त राजवैभव त्याग कर सत्यवान के साथ उनके परिवार की सेवा करते हुए वन में रहने लगीं। जिस दिन सत्यवान के महाप्रयाण का दिन था, उस दिन वह लकड़ियां काटने जंगल गए। वहां मूर्च्छित होकर गिर पड़े। उसी समय यमराज सत्यवान के प्राण लेने आए। तीन दिन से उपवास में रह रही सावित्री उस घड़ी को जानती थी, बिना विकल हुए उन्होंने यमराज से सत्यवान के प्राण न लेने की प्रार्थना की। लेकिन यमराज नहीं माने। तब सावित्री उनके पीछे-पीछे ही जाने लगी। कई बार मना करने पर भी वह नहीं मानी, तो सावित्री के साहस और त्याग से यमराज प्रसन्न हुए और कोई तीन वरदान मांगने को कहा। सावित्री ने सत्यवान के दृष्टिहीन माता-पिता के नेत्रों की ज्योति मांगी। उनका छिना हुआ राज्य मांगा और अपने लिए 100 पुत्रों का वरदान मांगा। तथास्तु कहने के बाद यमराज समझ गए कि सावित्री के पति को साथ ले जाना, अब संभव नहीं। इसलिए उन्होंने सावित्री को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया और सत्यवान को छोड़कर वहां से अंतर्धान हो गए। उस समय सावित्री अपने पति को लेकर वट वृक्ष के नीचे ही बैठी थीं।

इसलिए इस दिन महिलाएं अपने परिवार और जीवनसाथी की दीर्घायु की कामना करते हुए वटवृक्ष को भोग अर्पण करती हैं, उस पर धागा लपेट कर पूजा करती हैं।

कट्टरपंथी सोच ने काटा वटवृक्ष

बांग्लादेश में हिंदू ही नहीं, पेड़-पौधे भी कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। मदारीपुर जिले के शिराखारा यूनियन के आलम मीर कंडी गांव में 200 साल के बरगद के पेड़ को कट्टरपंथियों ने 2 मई को सिर्फ इसलिए काट दिया, क्योंकि वो हिंदुओं की आस्था का प्रतीक था। इसके लिए कट्टरपंथियों की ओर से बरगद के पेड़ के खिलाफ फतवा भी जारी किया। इसमें बरगद के पेड़ को शिर्क (अल्लाह के साथ किसी और को जोड़ने की हरकत) बताया। हिंदुओं की परम्परा में बरगद और पीपल के पेड़ पूजे जाते हैं। इस पेड़ से वहां लोग मन्नत मांगते थे।

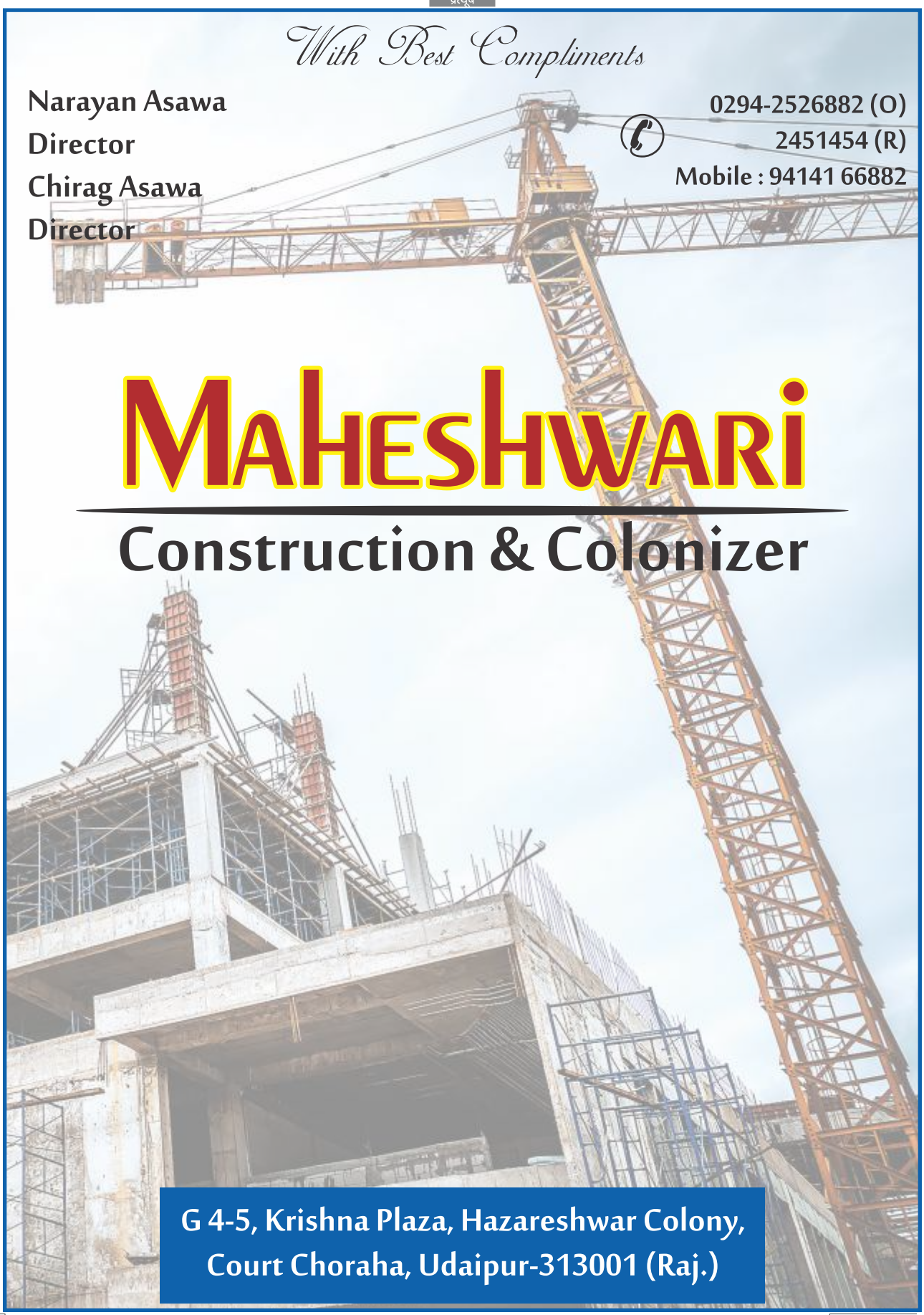

With Best Compliments

Narayan Asawa
Director
Chirag Asawa
Director

0294-2526882 (O)
2451454 (R)
Mobile : 94141 66882

MAHESHWARI

Construction & Colonizer

G 4-5, Krishna Plaza, Hazareshwar Colony,
Court Choraha, Udaipur-313001 (Raj.)

प्रत्यूष

सामान्य से बेहतर रहेगा मानसून

राजस्थान में पहुंचेगा 18-20 जून तक

भगवान प्रसाद गौड़

इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। 2025 में 105 फीसदी यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। यानी मानसून सीजन में कुल इतनी बारिश होनी चाहिए। मानसून 1 जून के आसपास केरल के रास्ते आता है। 4 महीने की बरसात के बाद सितंबर के अंत में राजस्थान के रास्ते मानसून की वापसी होती है। कई राज्यों में यह 15 से 25 जून के बीच पहुंचता है।

देश का 52 फीसदी खेतिहर इलाका मानसून पर निर्भर करता है। मानसून में पानी के स्त्रोतों की कमी पूरी होती है। ऐसे में सामान्य मानसून बड़ी राहत की खबर है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अब मानसून में बारिश के दिनों की कमी हो रही है और भारी बारिश की बढ़ोतरी हो रही है। इससे लगातार सूखा और बाढ़ के हालात बन रहे हैं।

2020 से 2024 के बीच 5 सालों में केवल एक बार स्काईमेट का अनुमान सही साबित हुआ। 2023 में स्काईमेट ने 94 फीसदी बारिश का अनुमान लगाया था और उस साल इतनी ही बारिश हुई। आईएमडी का अनुमान 2 फीसदी कम रहा। 2021 में आईएमडी ने 98 फीसदी का अनुमान लगाया ओर बारिश लगभग बराबर (99 फीसदी) हुई। वहीं 2020 और 2022 में स्काईमेट और आईएमडी दोनों का पूर्वानुमान एक्चुअल बारिश से कम या ज्यादा ही रहा।

केंद्र सरकार की अर्थ साइंस मिनिस्ट्री ने देश में सामान्य बारिश के लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) को साल 2022 में अपडेट किया। इससे अनुसार 87 सेंटीमीटर बारिश को सामान्य माना जाता है।

मौसम विभाग (आइएमडी) के मुताबिक राजस्थान में मानसून की एंटी 18 से 20 जून तक हो सकती है। इससे पहले कई राज्यों में बारिश हो सकती है।

आइएमडी इससे पहले मानसून सीजन में सामान्य से ज्यादा बारिश का पूर्वानुमान जता चुका है। उसने अल नीनो की स्थिति को खारिज कर दिया था, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामनान्य से कम बारिश से जुड़ी है। भारत के कृषि क्षेत्र के लिए मानसून संजीवनी है। यह क्षेत्र 42 फीसदी आबादी को आजीविका प्रदान करता है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 18 फीसदी का योगदान देता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर एक जून को केरल में दस्तक देता है।

(यह जानकारी आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा की जानकारी पर आधारित है।)

इन राज्यों में अधिक बारिश की संभावना

देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसूनी बारिश की बात की जाए तो इस साल देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। केवल उत्तर पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से नीचे वर्षा हो सकती है।

Thakur Devraj Singh Jagat

Kunwar Akshayraj Singh Jagat

JAGAT NIWAS PALACE

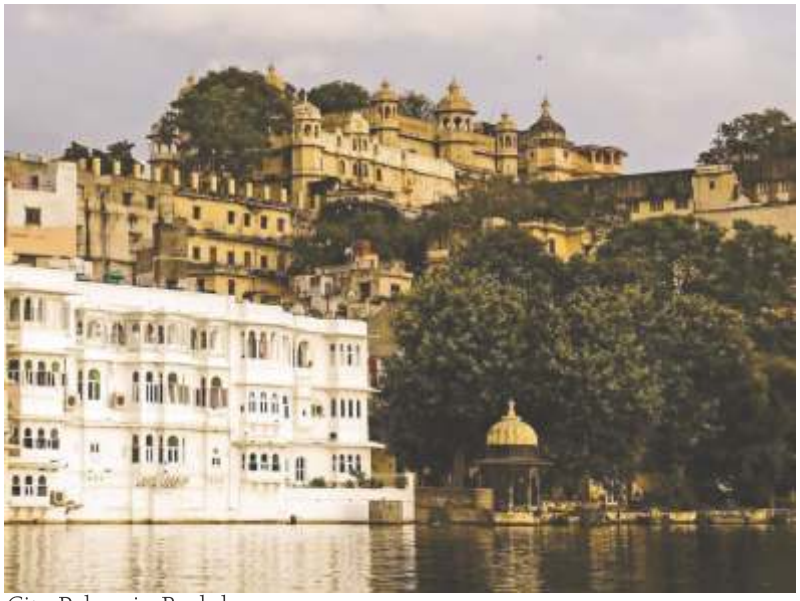

City Palace in Backdrop

Inner Facade

Inner Facade

Standard Rooms | Haveli Rooms | Heritage Rooms | Jagat Suite | Presidential Suite
Rooftop Restaurant | Live Puppet Show | Live Traditional Music | Jagat Boats

23-25 Lalghat, Udaipur, Rajasthan 313001
Tel. No. :+91-0294-2422860, 2420133 Mob.: +91-7073000378
Email Id.: mail@jagatniwaspalace.com website: www.jagatcollection.com

अलविदा! गिरिजा दीदी

डॉ. गिरिजा व्यास के निधन से कांग्रेस पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। प्रदेश और विशेषकर मेवाड़ के विकास में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

पंकज कुमार शर्मा

पूर्व केन्द्रीय मंत्री व मेवाड़ की कद्दावर कांग्रेस नेता डॉ. गिरिजा व्यास का 1 मई को निधन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद के जायडस हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। वहां 32 दिन से वे वेंटिलेटर सपोर्ट पर थी। उदयपुर के दैत्य मगरी स्थित अपने घर में गणगौर पूजन के दौरान 31 मार्च को वे झुलस गई थीं। पूजा के दौरान दीपक से उनकी चुनरी में आग लगी थी। निजी हॉस्पिटल प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अहमदाबाद के लिए रैफर किया गया। कपड़ों में आग लगते ही गिरने से ब्रेन हेमरेज भी हुआ था। 2 मई को उदयपुर के अशोकनगर स्थित मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। शवयात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जुली, पूर्व मंत्री रामलाल जाट, डॉ. सीपी जोशी, मांगीलाल गरासिया, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, प्रीति शक्तावत, नीलिमा सुखाड़िया, प्रदेश प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी, धर्मेन्द्र राठौड़, ताराचंद मीणा, पवन गोदारा, भाजपा नेता व विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, प्रमोद सामर, गजपाल सिंह राठौड़, दीप्ति माहेश्वरी, युधिष्ठिर कुमावत, रवीन्द्र श्रीमाली, पारस सिंघवी सहित प्रदेश व मेवाड़ संभाग कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। राजसमंद जिले के नाथद्वारा में 8 जुलाई 1946 को जन्मी डॉ. गिरिजा व्यास की शिक्षा और कर्मभूमि उदयपुर रही। उनके पिता कृष्ण शर्मा (व्यास) स्वतंत्रता सेनानी थे, जबकि मां जमुना देवी व्यास शिक्षिका थी। बचपन से ही उन्हें शिक्षा और समाजसेवा का वातावरण मिला, जिसने उनके जीवन को दिशा दी। डॉ. गिरिजा व्यास ने उदयपुर यूनिवर्सिटी (वर्तमान मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी) से स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में पीएचडी की उपाधि ली। शिक्षा के प्रति उनके लगाव का प्रमाण यह भी है कि उन्होंने उदयपुर स्थित सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के दर्शनशास्त्र विभाग में प्रोफेसर के रूप में भी सेवाएं दी। उनकी गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती थी। अमेरिका के डेलावेयर विश्वविद्यालय में भी दर्शनशास्त्र की प्रोफेसर रही। गिरिजा व्यास की गिनती कांग्रेस के सौम्य और सरल नेताओं में होती थी। उनकी छवि एक शिक्षित, सशक्त और विचारशील नेता के रूप में रही। उन्होंने महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर हमेशा खुलकर काम किया। उन्होंने आठ किताबें लिखी, जिनमें से तीन काव्य संकलन हैं। 'एहसास के पार' में उनकी उर्दू गजलें हैं, 'सीप, समंदर और मोती' में उनकी हिंदी और उर्दू कविताएं हैं, जबकि नॉस्टेल्जिया में अंग्रेजी छंद हैं। गिरिजा जी अपने अपने पीछे शोक संतप्त भाई-भाभी गोपाल कृष्ण शर्मा (प्रदेश महासचिव, कांग्रेस कमेटी)-पुष्पा शर्मा, भतीजे डॉ. विवेक-अलका शर्मा, विनय-अंकिता शर्मा, विपुल-हितांशी शर्मा व उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। राजनीतिक, सामाजिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. गिरिजा व्यास जी का अहम योगदान रहा। जन प्रतिनिधि से लेकर केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में वह जन सरोकार से जुड़े विषयों पर काम करती रहीं। विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उन्होंने आगे बढ़कर प्रयास किए।

अंतिम विदाई

राजनैतिक सफर

- 1977 से 1984 तक उदयपुर में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रहीं।
- 1985 में उदयपुर से विधायक निर्वाचित हुई और राज्य सरकार में मंत्री रही।
- 1991 में उदयपुर लोकसभा से निर्वाचित हुई। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव सरकार में उपमंत्री (सूचना और प्रसारण) रही।
- 1993 में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष बनीं।
- 1996 में 11वीं लोकसभा के लिए पुनः निर्वाचित (दूसरा कार्यकाल) हुई।
- 1999 में 13वीं लोकसभा के लिए पुनः निर्वाचित (तीसरी बार) हुई।
- 2001 से 2004 तक वे प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रहीं।
- 2005 में मनमोहन सरकार में आवास एवं शहरी विकास मंत्री बनने के साथ ही दो बार 2011 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रही।
- 2009 में चित्तौड़गढ़ से 15वीं लोकसभा की सदस्य चुनी गई।
- 2018 में उदयपुर से विधानसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं पाई।

श्रद्धा सुमन

वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री डॉ. गिरिजा व्यास के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। बुद्धिजीवी राजनीतिज्ञ और कुशल प्रशासक के रूप में उनका देहावसान कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और हमारी वरिष्ठ नेता डॉ. गिरिजा व्यास जी के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ। शिक्षा, सामाजिक न्याय और विशेषकर महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उनका जाना हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता गिरिजा व्यास के निधन के समाचार से बड़ा ही दुख हुआ। गिरिजा जी और मैं एक साथ पढ़े हैं। विद्यार्थी जीवन से ही उनसे मित्रवत संबंध रहा है। मेरे खिलाफ चुनाव भी लड़ी और दो बार में भी चुनाव हारा, एक लोकसभा का और एक विधानसभा का। हम राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी जरूर थे, लेकिन उदयपुर के विकास के लिए साथ चलने का प्रयास बराबर करते थे।

गुलाबचंद कटारिया, राज्यपाल, पंजाब

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

गिरिजा व्यास का निधन अपूरणीय क्षति है। करीब 2 माह पहले उदयपुर आगमन पर उनसे मुलाकात हुई थी। उनको कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ. गिरिजा व्यास का निधन हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता हूं।

डॉ. सीपी जोशी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री व पूर्व विधानसभाध्यक्ष

उनका अचानक जाना, एक ऐसी कमी है, जो कभी पूरी नहीं हो सकती। देश-प्रदेश की राजनीति में उनका अलग प्रभाव था। सेवा का विचार और ऐतिहासिक काम था।

टीकाराम जूली, नेता प्रतिपक्ष, रा. विधानसभा

उनका सहज और सरल स्वभाव, उनके व्यक्तित्व की विशेषता थी। उनका मृदुभाषी व्यवहार, उनसे मिलने वाले लोगों को प्रभावित करता था।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री भारत

अक्टूबर 2002 जयपुर में प्रत्यूष का विमोचन

दिल्ली में पुष्पांजलि

अभिवादन

कार्यकर्ताओं के बीच

यह अपूरणीय क्षति है, जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने विभिन्न मंचों के माध्यम से जीवन पर्यंत कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाया।

गोविंदसिंह डोटासरा, अध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस

गिरिजा व्यास जी के निधन के समाचार से स्तब्ध हूं। उनका निधन मेरे और मेरे परिवार के लिए एक व्यक्तिगत क्षति है। लगभग 25 वर्ष पूर्व मुझे कांग्रेस पार्टी की औपचारिक सदस्यता गिरिजा जी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उनके हस्ताक्षर से ही मिली थी। आज उनके निधन से कांग्रेस पार्टी ने अपना एक सच्चा सिपाही खो दिया।

सचिन पायलट, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, उप मुख्यमंत्री व कांग्रेस महासचिव

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास जी के निधन का समाचार अत्यंत शोकजनक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुख सह न करने की शक्ति प्रदान करें।

मदन राठौड़, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास जी के असामयिक निधन से बहुत दुःख हुआ। सफल सांसद रही, उन्होंने सूचना एवं प्रसारण और आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन सहित सरकार के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों को संभाला। वे एक बहुमुखी कवि भी थी। उनकी विरासत अनगिनत लोगों के दिलों में जिंदा रहेगी, जिन्हें उन्होंने प्रेरित और सशक्त बनाया।

केसी वेणुगोपाल, राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस

प्रदेश बनेगा औद्योगिक ताकत : अग्रवाल

उदयपुर। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर राजस्थान की खनिज संपदा को देश की सबसे समृद्ध सम्पदा बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में ऑयल एंड गैस, स्टोन, तांबा, चांदी, सोना, जिंक, पोटाश और रॉक फॉस्फेट जैसे खजाने हैं। इनका सही उपयोग हो तो राजस्थान की जीडीपी और राजस्व में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। रोजगार के अनगिनत अवसर बन सकते हैं। समृद्धि का नया दौर शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में देश के सबसे बड़े और समृद्ध प्राकृतिक संसाधन भंडार हैं। इसके बावजूद राज्य की जीडीपी 196 बिलियन डॉलर है। गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों की जीडीपी 300 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। इसके लिए जरूरी है कि धरती के नीचे छिपे खजानों का पूरा उपयोग हो। खनिजों को मूल्यवर्धित उत्पादों में बदलने के लिए हजारों दिनिर्माण इकाइयां लगाई जाएं।

सालाना जलसे में कार्मिकों का सम्मान

उदयपुर। एक छोटी सी दुकान से तीन बड़े स्टोरके मुकाम तक पहुंचे नेशनल स्टील मार्ट की ओर से होटल फन रेजिडेंसी में आयोजित वार्षिक जलसे में कर्मचारियों व उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। संस्थापक मोहम्मद युसूफ मंसूरी, निदेशक मोहम्मद इरफान मंसूरी, मोहम्मद इमरान मंसूरी व डॉ निकिता माहेश्वरी ने बताया कि प्रतिष्ठान के बेहतरीन 48 साल पूरे होने पर पूरी टीम द्वारा इस यादगार पलों को मनाया गया। उन्होंने बताया कि घरों में पीतल व तांबे के बर्तनों का चलन बीते पांच वर्षों में पुन: बढ़ गया। इनका उपयोग स्वास्थ्य दृष्टि से श्रेष्ठ होता है। अगले साल तक भीलवाड़ा व जोधपुर में नए स्टोर खोलने की योजना है। फर्नीचर क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रहे हैं। आओसा ब्रांड से होटल्स में एकएस के कीचन आईटम आपूर्ति की जाती है। मैनेजर पुष्कर राज ने बताया कि मुख्य अतिथि फाउंडर मोहमद युसूफ मंसूरी, मोहनलाल नेमीचंद जैन, राहुल कुशवाहा, अनुराग शारदा, सचिन ठाकरे, सुमित शिंदे, देवेंद्र चौधरी, सईद अहमद रंगवाला रहे। एचआर सौरभ पानेरी ने आभार ज्ञापित किया।

आरएनटी को एक और उपलब्धि

उदयपुर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए लोक सेवा दिवस पर लोक सेवकों को हर वर्ष दिए जाने वाले मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के तहत इस वर्ष आरएनटी मेडिकल कॉलेज को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. विपिन माथुर को जयपुर स्थित एचसीएम रीपा संस्थान में राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदान किया। इससे पहले 28 मार्च को आइटी-डे पर जयपुर में ही आरएनटी मेडिकल कॉलेज को अटल ई-गवर्नेंस राज्य पुरस्कार भी प्रदान किया गया था। यह पुरस्कार कॉलेज द्वारा विकसित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना पैकेज क्यूआर कोड प्रणाली के लिए दिया गया, जो डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और सहजता को बढ़ावा देता है।

राय दूरसंचार सलाहकार समिति में मनोनीत

उदयपुर। उद्योग और समाज सेवा में अग्रणी उदयपुर निवासी जयशंकर राय को केंद्र सरकार ने दूरसंचार सलाहकार समिति सदस्य के पद पर मनोनीत किया है। सेवा और मानवता के प्रति समर्पित भाव को दृष्टिगत रखते हुए यह जिम्मेदारी दी गई है। जोधपुर राज्यसभा सदस्य राजेन्द्र गहलोत की अनुशंसा पर दूरसंचार मंत्रालय ने राय का मनोनयन किया।

प्रांतपाल बनने पर सुखाड़िया सम्मानित

उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर हेरिटेज के चार्टर सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष दीपक सुखाड़िया का रोटरी प्रांत 3056 वर्ष 2027-28 के प्रांतपाल निर्वाचित होने पर क्लब सदस्यों ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। क्लब अध्यक्ष प्रो. दीपक शर्मा ने बताया कि हेरिटेज क्लब की स्थापना के 16 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित अभिनंदन समारोह में दीपक सुखाड़िया एवं निमिषा सुखाड़िया को उपस्थित सभी क्लब सदस्यों ने 16 किलो वजनी पुष्पमाला पहनाकर बधाई दी और सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि रोटरी उदयपुर हेरिटेज क्लब से प्रथम बार किसी सदस्य का निर्वाचन प्रांतपाल पद पर हुआ है। अनुभव लाडिया, प्रांतपाल डॉ. राखी गुप्ता, पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी, निवर्तमान प्रांतपाल निर्मल कुनावत, सहायक प्रांतपाल जयोश पारिख, जोनल समन्वयक संगीता मूंदड़ा, सहित प्रांत के सभी वरिष्ठ रोटेरियन ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर धीरेन्द्र व मंजू सचान, दिनेश और तमन्ना सुहालका, राजकुमार एवं अंजू टाया, गजेंद्र और नीलम सुयल, मंजू शर्मा, आदि मौजूद रहे।

लेकसिटी होंडा की स्मार्ट वर्कशॉप

उदयपुर। लेकसिटी होंडा ने सर्वऋतु विलास में नए अत्याधुनिक वर्कशॉप की शुरुआत की। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत कुमार और गगनबीर सिंह ने उद्घाटन किया। लेकसिटी होंडा के मैनेजिंग डायरेक्टर वरुण मुर्डिया ने बताया कि यह वर्कशॉप होंडा की नई विजुअल आइडेंटिटी के अनुसार तैयार की गई है। यह उच्च गुणवत्ता के साथ संतोषजनक सेवा का भरोसा देती है। यह उदयपुर संभाग की पहली स्मार्ट वर्कशॉप है।

संभागीय आयुक्त को राज्य स्तरीय सम्मान

उदयपुर। लोक सेवा दिवस पर उदयपुर की संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी को सीएम भजनलाल शर्मा ने उतकृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान राज्य के जनजातीय क्षेत्रों में ओलिंपिक खेल लैक्रोस में उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करने के लिए प्रदान किया गया। संभागीय आयुक्त के प्रयासों से जनजाति अंचल के लैक्रोस खिलाड़ियों ने कई नेशनल व इंटरनेशनल प्रतियोगिताएं जीती। जयपुर के एचसीएम रीपा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत के अलावा कई प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

उप प्रवर अधीक्षक बैरवा ने संभाला कार्यभार

उदयपुर। भारतीय डाक सेवा के अधिकारी हनुमानलाल बैरवा ने नए उपप्रवर अधीक्षक के रूप में उदयपुर मंडल में कार्यभार ग्रहण किया। बैरवा इससे पूर्व अधीक्षक चित्तौड़गढ़ में पदस्थापित रहे। पदोन्नति के बाद उन्होंने उदयपुर मंडल में कार्यभार ग्रहण किया। उनका मुख्य उद्देश्य डाक विभाग एवं जनता के मध्य विश्वास बढ़ाकर डाक सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना रहेगा। इस दौरान मोहनलाल मेघवाल, उमेश निमावत, रमेशचंद्र निमावत, राजेंद्र राठौड़, राजेश शर्मा, रमेश भाटी, नरेश नागदा, भंवरलाल माली आदि पदाधिकारी, कर्मचारी, यूनियन के नेताओं ने बैरवा का अभिनंदन किया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म 23.10.1930 देवलोकगमन 14.06.2003

परम श्रद्धेय आदरणीया

श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा

॥ श्रद्धानवत ॥

पंकज-रेणु, नीरज-डॉ. अनिता (पुत्र-पुत्रवधु), अभिजय, मेघांश (पौत्र), आर्षेयी, प्रिशा (पौत्री)
शोभा-सुरेन्द्र, सुधा-ओम, डॉ.वीणा-स्व. गौरव, अरुणा-पद्म, रश्मि-अनिल (पुत्री-दामाद)
दोहित्र-दोहित्री :- प्रत्यूष, मोहित, स्व. चिन्मय, तन्मय, भार्गवि,
नयन नारायण, पूर्वा, हार्दिक, चिर्कीषु, जिगिषा

रक्षाबन्धन, धानमण्डी,उदयपुर

स्वस्थ हड्डियों के लिए जरूरी पोषक तत्व

डॉ. शोभालाल शर्मा

स्वस्थ हड्डियों के लिए कैल्शियम और विटामिन डी के अलावा प्रोटीन, विटामिन के, मेग्निशियम, पोटैशियम, विटामिन सी और कई अन्य पोषक तत्व भी आवश्यक हैं।

कैल्शियम : कैल्शियम हमारे शरीर में सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है। शरीर के 99 प्रतिशत कैल्शियम का संचय हड्डियों में होता है, जबकि शरीर की विभिन्न क्रियाओं में केवल 1 प्रतिशत कैल्शियम का ही उपयोग किया जाता है। इसलिए हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए उचित मात्रा में कैल्शियम का सेवन आवश्यक है। गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत हैं। इसके अलावा सालमन, साबुत अनाज, केले, ब्रेड, पास्ता, सोया मिल्क, टोफू और बादाम भी कैल्शियम के अच्छे स्त्रोत हैं। कम वसायुक्त डेयरी प्रोडक्ट में वसायुक्त डेयरी प्रोडक्ट की तुलना में अधिक कैल्शियम होता है।

विटामिन डी : विटामिन डी की कमी से हड्डियां कमजोर और भुरभुरी हो जाती हैं। सूर्य का प्रकाश विटामिन डी का सबसे अच्छा स्त्रोत है। लेकिन जो लोग हमेशा घरों में बंद रहते हैं, उन्हें पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती और उनका शरीर उचित मात्रा में विटामिन डी का निर्माण नहीं कर पाता है। सूर्य की रोशनी के अलावा दूध, अंडे, चिकन, मछलियां जैसे सॉलमन, टुना, मैकेरल, सार्डिन भी विटामिन डी के अच्छे स्त्रोत हैं।

पोटैशियम : जो लोग पर्याप्त मात्रा में पोटैशियम का सेवन करते हैं, उनकी हड्डियों की सेहत बेहतर रहती है। शकरकंद, आलू छिलके सहित, दही और केला पोटैशियम के अच्छे स्त्रोत हैं।

कितने हों जरूरी पोषक तत्व

एक वयस्क व्यक्ति को उसकी उम्र, लिंग, शारीरिक गठन, शारीरिक सक्रियता के अनुसार अपने भोजन से निम्न पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है:

कैल्शियम : 1,000–1,300 मिलिग्राम
प्रोटीन : 40–60 ग्राम
विटामिन डी : 600–800 इंटरनेशनल यूनिट्स

मैग्नीशियम : पालक, चुकंदर, टमाटर, आलू, शकरकंद और किशमिश नियमित रूप से खाएं क्योंकि इनमें भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है, जिनसे हड्डियां मजबूत बनती हैं।

प्रोटीन : प्रोटीन शरीर का निर्माण करने वाले तत्वों में सबसे महत्वपूर्ण है। यह हड्डियों को मजबूत रखता है और बोन मास भी बढ़ाता है।

विटामिन सी और विटामिन के : हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन सी और के भी बहुत आवश्यक हैं। लाल मिर्च, हरी मिर्च, संतरा, अंगूर, ब्रोकली, स्ट्रॉबेरीज, अंकुरीत अनाज, पपीता और पाइन एप्पल विटामिन सी के अच्छे स्त्रोत हैं और शलगम, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक, सरसों और मेथी में विटामिन के भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

Jinendra Vanawat
Director

RS-CIT

Mob. No. 8003699621

Everest Technical EDUCATION PVT. LTD.

(A Company Dedicated for Skill Development)
Corp. Off.: 229, IInd Floor, Anand Plaza
University Road, Udaipur (Raj.) 313 001
Ph.: (0294) 5101501 E-mail.: j_vanawat@hotmail.com

Authorised Service Provider

RKCL
IT shapes future
(Rajasthan Knowledge Corporation Limited)

RAJASTHAN KNOWLEDGE CORPORATION LIMITED
(A Public Limited Company Promoted by Govt. of Raj.)
Head off.: 7 A, Jhalana Institutional Area, Jaipur - 302004 www.rkcl.in

Dr. Sunil Goyal
M.S. (Surgery)

Tel. : 0294-2640852 (Hosp.)
2640251, 3291459 (R)

RAJASTHAN HOSPITAL & RESEARCH CENTRE

● MEDICAL ● SURGICAL ● MATERNITY

69, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

Res. : 54, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

E-mail : Karunagoyal@hotmail.com, rajhospital20@yahoo.com

कष्ट सहिष्णुता सिखातीः निर्जला एकादशी

पंकज कुमार शर्मा

वर्षभर में चौबीस एकादशियां आती हैं। ज्येष्ठ शुक्ल पक्षीय एकादशी को निर्जला एकादशी या 'भीमसेनी एकादशी' भी कहते हैं, क्योंकि महर्षि वेदव्यास के अनुसार भीमसेन ने इसे धारण किया था। यह पर्व इस बार 6 जून को है। इस एकादशी में सूर्योदय से द्वादशी के सूर्यास्त तक जल भी न पीने का विधान होने के कारण इसे 'निर्जला एकादशी' कहते हैं। इस दिन के निर्जल व्रत से वर्ष की अन्य 23 एकादशियों पर व्रत न किया गया हो तो भी उनके व्रत का फल मिल जाता है।

शास्त्रों के अनुसार इस एकादशी के व्रत से दीर्घायु तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत अत्यंत संयम साध्य है। इस दिन निर्जल व्रत करते हुए शेषशायी रूप में भगवान विष्णु की आराधना का विशेष महत्व माना गया है।

यह एक शारीरिक परीक्षण का दिन भी है जब आप अपनी शारीरिक क्षमता का आंकलन कर सकते हैं कि आप कैसे भूखे प्यासे एक दिन क्या संयम से निकाल सकते हैं? कुछ हद तक यह व्रत करवा चौथ से मिलता-जुलता है। ज्येष्ठ मास की इस शुक्ल पक्ष की एकादशी पर पांडवों ने भी व्रत रखा था। इसलिए इसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं।

यह व्रत जल के अभाव में आपातकाल में भी जीना सिखाता है। ऐसे व्रत भारतीय धर्म, संस्कृति और देश में किसी न किसी उद्देश्य से

पूजा विधि

- सुबह स्नान करके भगवान विष्णु का ध्यान करें।
- पीले वस्त्र धारण करके भगवान विष्णु की प्रतिमा के सामने घी का दीपक जलाएं।
- घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित कर भगवान विष्णु का गंगा जल से अभिषेक करें।
- भगवान विष्णु को पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें। उनकी प्रतिमा के सामने एकादशी व्रत कथा को पढ़े या सुनें।
- जल से भरे कलश को श्वेत वस्त्र से ढक कर एक पात्र में चीनी व उस पर दक्षिणा रख कर ब्राह्मण को दान करें।
- भगवान की आरती करें और भोग लगाएं।
- भगवान विष्णु के साथ ही माता लक्ष्मी की पूजा भी करें।
- ब्रतार्थी को इस दिन जल और भोजन का उपयोग नहीं कर व्रत के सभी नियमों का पालन करना है।

निर्धारित किए गए हैं ताकि हम जीवन में किसी भी आपात स्थिति से निपट सकें। गर्मी से समाज के सभी वर्गों को राहत मिले, इसलिए इन दिनों मीठे व ठंडे जल की छबीलें लगाने की प्रथा उत्तर भारत में सदियों से चली आ रही है। इसी कारण इस दिन खरबूजे, पंखे, छतरियां, आसन, फल, जूते, अन्न, भरा हुआ जल कलश आदि दान करने का प्रावधान है ताकि सबल समाज द्वारा निर्बल और असहायों की सहायता हो और हमारे देश के जीवन दर्शन 'सर्व मंगल मांगल्ये' को क्रियात्मक रूप में प्रचारित एवं प्रसारित किया जा सके। निर्जला एकादशी पर हमें पशु-पक्षियों को नहीं भूलना है, उन्हें भी दाना-पानी मिलता रहे, इसकी स्थायी व्यवस्था करनी है। यह पर्यावरण संरक्षण के लिए भी आवश्यक है। गायों को अपने हाथ से चारा, खिलाना इस दिन बड़ा पुण्यदायी होता है।

!! Shri Sanwaliya Seth Ki Jai !!

ABHINAV
Senior Secondary School

Spreading Education Since 1989

Hiral Goswami

District Topper

98.83%

'अभिनव' एक नाम जिस पर
36 वर्षों से हजारों
अभिभावकों ने किया विश्वास ...
और सफलता की बुलंदियों पर
पहुँचाए अपने सपने

Play Group to XII

Science | Commerce | Arts | Agriculture

NCC | Sports | Adventure | Scout /Guide | Innovation

Main Branch : 9, Adarsh Nagar, Behind Police Line, Udaipur (Raj.) 7048741704
Branch 2 : Near CM Mega Housing, 100 Ft. Road, Rakampura, Udaipur 9828584598

प्रत्यूष

क्रिकेट को विराट कोहली ने जुनून की तरह जिया

टेस्ट क्रिकेट से सन्यास करिश्माई कोहली

अल्फेज खान

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक और गौरवशाली अध्याय उस समय समाप्त हो गया, जब रोहित शर्मा के बाद 'किंग' के नाम से मशहूर विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा की। भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तानों में शुमार और आधुनिक युग के सफलतम बल्लेबाज कोहली ने यह फैसला करते हुए भावुक शब्दों में अपने 14 साल के सफर को अलविदा कहा। विराट कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। उनके नाम 30 शतक और 7 दोहरे शतक दर्ज हैं। सात दोहरे शतक किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक हैं, जिससे वे सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों से भी आगे निकल गए।

टीम के मध्यक्रम की रीढ़

विराट कोहली ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट करिअर की शुरुआत की थी, लेकिन जल्द ही वे टीम के मध्यक्रम की रीढ़ बन गए। 2014 में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास के बाद टेस्ट कप्तानी संभाली और भारत को 68 में से 40 टेस्ट मैचों में जीत दिलाई। यह किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा दिलाई गई सर्वाधिक जीत हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने आस्ट्रेलिया को उसकी ही ज़मीन पर 2018-19 में हराया, जो एक ऐतिहासिक क्षण था।

हालिया टेस्ट प्रदर्शन अपेक्षित स्तर पर नहीं रहा

कोहली का हालिया टेस्ट प्रदर्शन अपेक्षित स्तर पर नहीं रहा। आस्ट्रेलिया दौरे पर वे केवल एक शतक लगा सके और श्रृंखला में उनका प्रदर्शन औसत से खराब रहा। कोहली ने यह भी स्वीकार किया कि लंबे समय तक कप्तानी करने का मानसिक दबाव उन पर भारी पड़ा और 2022 में उन्होंने कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया था।

एकदिवसीय क्रिकेट में जारी रहेगा सफर

कोहली ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था और अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट में खेलते रहेंगे। हाल ही में उन्होंने चैंपियंस ट्राफी में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 84 रनों की पारी खेलकर यह साबित किया कि उनका बल्ला अब भी दमदार है। 2027 वर्ल्ड कप तक उनके खेलने की संभावना जताई जा रही है।

123 टेस्ट मैच

30 शतक लगाए

07 दोहरे शतक जड़ने वाले इकलौते भारतीय और दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी

1000 रन लगातार दो कैलेंडर वर्ष में 75 की औसत से बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी

40 टेस्ट मैच जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान, सर्वाधिक 68 मैचों में कप्तानी भी की

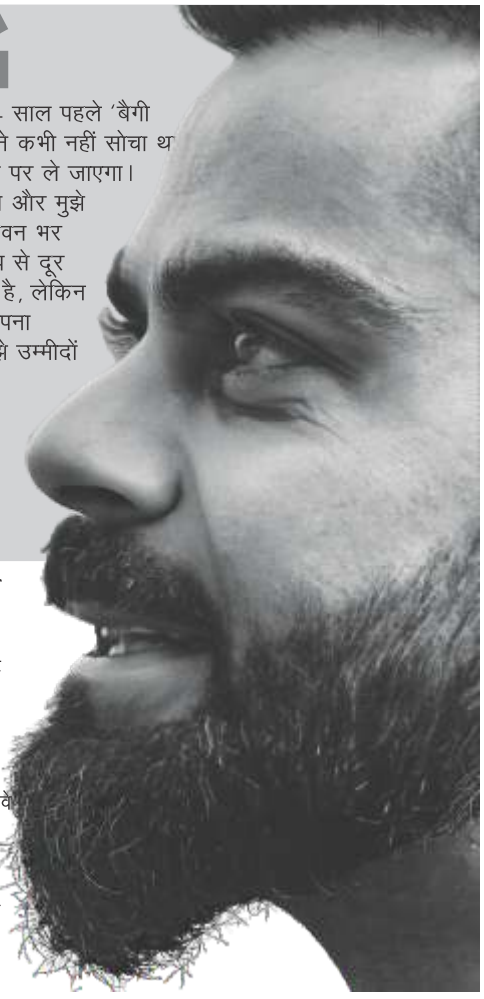

टेस्ट क्रिकेट में पहली बार 14 साल पहले 'बैगी ब्लू' पहनी थी। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे किस सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे गढ़ा और मुझे ऐसे सबक सिखाए जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। जब मैं इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह सही लगता है। मैंने इसे अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे उम्मीदों से कहीं अधिक दिया है। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा। हर उस व्यक्ति का आभार जिसने मुझे मैदान पर खेलते हुए देखा।

–विराट कोहली

रोहित ने की थी 7 मई को सन्यास की घोषणा

रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा कर दी। 38 वर्षीय रोहित का टेस्ट प्रारूप में करियर उतार–चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने अपने फेन्स से मिले प्यार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे वनडे प्रारूप में भारत की ओर से खेलते रहेंगे। रोहित ने 67 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 4301 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ 212 रन रहा। उन्होंने 24 टेस्ट में कप्तानी की जिसमें 12 जीते, 9 हारे, और 3 अनिर्णीत रहे। इन 24 टेस्ट की 42 पारीयों में उन्होंने 1254 रन बनाए।

रोहित-विराट के बाद, संभावित दावेदार

रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अब इंग्लैंड सहित आगामी दौरे को देखते हुए चयनकर्ताओं के सामने उनके उपयुक्त दावेदारों की तलाश करने की मुश्किल चुनौती है। हालांकि रोहित के साथ विराट के कद के आसपास के भी किसी दावेदार को फिलहाल तलाश करना असंभव है, फिर भी उपलब्ध बल्लेबाजों के बीच कुछ चेहरे हैं जो दावेदार माने जा सकते हैं।

शुभमन गिल

32 टेस्ट में 35.05 की औसत से 1893 रन 5 शतक, 7 अर्धशतक, सर्वाधिक 128 रन

यशस्वी जायसवाल

19 टेस्ट में 52.88 की औसत से 1798 रन 4 शतक, 10 अर्धशतक, सर्वाधिक 214 नाबाद

ध्रुव जुरेल

04 टेस्ट में 53.15 की औसत से 202 रन 01 अर्धशतक, सर्वाधिक 90 रन

बी साई सुदर्शन

29 प्रथम श्रेणी में 39.93 की औसत से 1957 रन 7 शतक, 5 अर्धशतक, सर्वाधिक 213 रन

हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म दिवस 16 मई 1932
निवार्ण दिवस 27 अप्रेल 2025

हमारे पूजनीय

श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल

का स्वर्गवास दिनांक 27 अप्रेल 2025 को हो गया है।
हम सभी परिवारजन हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

निवास स्थानः सुषमा निकुंज, सूरजपोल

श्रद्धावनतः श्रीमती कुसुम (धर्मपत्नी), **राजेन्द्र कुमार–पुष्पा** (भाई–भाभी), **मनोज–रुबी** (पुत्र–पुत्रवधू), **मृदुला–राजेन्द्र जी** (पुत्री–दामाद), **राजीव, सीमा** (भतीजा–वधू), **राजुल–संदीपजी** (भतीजी–दामाद), **आशिमा–उत्कर्ष जी** (पौत्री–दामाद), **अंजलि** (पौत्री), **आयशा–सोहमजी** (दोहिती–दामाद), **आयुष–पारुल, आरुषि–जॉय, अनुश्री–अर्नब, अनन्य, अनाहिता, प्राणवी एवं समस्त तायल परिवारजन।**

प्रतिष्ठान

□ इ-कनेक्ट सोल्यूशंस □ अग्रवाल बी.टी एंड संस
□ तायल इंटरप्राइजेज

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

हाजी सज्जाद हुसैन बाटली वाला (सज्जु)

(S/o मरहूम हाजी नूरूद्दीन जी बाटली वाला)
का इंतकाल 18 अप्रेल 2025 को हो गया है
हम सभी परिवाजन हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

निवास स्थानः 5-ए, बाटली वाला हाउस, सहेलियों की बाड़ी

मोबाइलः 9828044701, 9929597905

गमजदाः शमीम बानू (पत्नी), **आफताब–शाहीन, अनीस–बेनजीर** (बेटा–बहू), **मरहूम शब्बीर हुसैन–शमीम बानो, अब्बास अली–शमीम बानो** (भाई–भाभी), **जुनैर, इब्राहिम, नसीम, सकीना** (पोते–पोती), **सईद एहमद, मरहूम सईद अख्तर, मरहूम सईद अफसर** (चाचा), **सलमा, बतूल, जकिया, रशीदा, ताहिरा, फातिमा** (बहनें), **आरीफ–सोफिया, आमिर–शाहीन** (भतीजा–बहू), **इफ्तिखार–फरीदा, नीलोफर–अली यावर, शाहीना–अली असगर** (भतीजा–दामाद) और **एहले बाटली वाला व अत्तर वाला खानदान।**

फर्म

★ M S Batliwala ★ SS Batliwala ★ Batliwala & Sons
★ ITA Tech Abrasives ★ Udaipur Spun Pipes

एस. एस. पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) से मान्यता प्राप्त
(उमरड़ा, उदयपुर) ईमेल –sscollege2013@gmail.com

1st Polytechnic College of Rajasthan Accredited by NBA

NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION

तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम, सत्र 2024–25

प्रवेश प्रारम्भ सत्र 2024–25

क.स.	ब्रांच का नाम	प्रवेश क्षमता प्रथम वर्ष	
1.	सिविल अभियांत्रिकी (Civil)	120	द्वितीय वर्ष (पार्श्व प्रवेश)
2.	विद्युत अभियांत्रिकी (Electrical)	180	
3.	यांत्रिकी अभियांत्रिकी (Mechanical)	120	

प्रवेश हेतु न्युनतम योग्यता

प्रथम वर्ष हेतु	10 वीं उत्तीण
द्वितीय वर्ष हेतु	आई.टी.आई. अथवा 12 वीं विज्ञान (PCM) उत्तीर्ण

फीस

Rs. 30,000/- प्रति वर्ष
नोटः फीस किस्तो में ली जा सकती है।

10 वीं के बाद सीधे तकनीकी शिक्षा Diploma(Polytechnic) में प्रवेश।
11 वीं तथा 12 वीं Arts/Commerce छात्रों के लिए सुनहरा मौका।

सीधे इंजिनीयर बनें हमारा उद्देश्य-रोजगारोन्मुख विशिष्ट प्रशिक्षण

रोजगार के अवसर

सरकारी व गैर सरकारी उपक्रम जैसे रेलवे, हिन्दुस्तान जिंक, RSMML, दूरसंचार कंपनी (Airtel, Vodafone, BSNL) सिमेंट प्लांट, बिड़ला, जे के व अन्य, सिक्योर मीटर्स, माइंस, विद्युत वितरण (RSEB), उत्पादन, प्लास्टिक उद्योग, आदि तकनीकी कंपनियों में रोजगार के स्वर्णिम अवसर।

डिप्लोमा उत्तीण विद्यार्थी PWD, PHED, NIC, RTO, RAILWAY, विद्युत विभाग में कनिष्ठ अभियन्ता, सूचना सहायक, Technician, ITI अनुदेशक, परिवहन निरिक्षक आदि पदों के लिये योग्य है।

SPECIAL TRAININGS

- PLC-SCADA
- SURVEYING
- 3D-PRINTER
- ENGINE LAB
- WEB DESIGN
- PC HARWARE
- PCB DESIGN
- CAD DESIGN

and many more...

+डिप्लोमा उत्तीण विद्यार्थी 12वीं उत्तीर्ण के समकक्ष मान्य है।
+डिप्लोमा उत्तीण विद्यार्थी बी. टेक. द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश के लिये योग्य है।

प्रवेश से पूर्व एक बार संस्था visit अवश्य करें।

प्रवेश संबंधित जानकारी संस्था में सीधे मिलकर प्राप्त की जा सकती है।

मोबाईल नं
98291 79662

भूस्खलन और बर्फ का पिघलना बड़े संकट की आहट

पंकज कुमार शर्मा

पर्यावरण हमारे तन-मन के मान का वस्त्र और कवच है। इसे उधेड़ते जाना मानसिक नग्नता दिखाते हुए भयावह कष्टों को आमंत्रित करना ही है। हमें शुद्ध जल, मीठे फल और शीतल पवन देने वाली शस्य श्यामल पृथ्वी के प्रति कृतज्ञता सिर्फ शब्दों से ही व्यक्त नहीं होगी, उसके लिए आचरण भी जरूरी है। इस दिशा में पर्यावरण दिवस (5 जून) अपने उत्तरदायित्व के निर्वाह की शपथ का दिन है।

पर्यावरण संबंधी विकराल समस्याएं मानव सहित सभी प्राणियों के अस्तित्व को चुनौती दे रही हैं। दरअसल, चिंता की बात यह है कि ये समस्याएं दुनिया ने अपने लिए खुद पैदा की है। इनकी जड़ में वह औद्योगिक क्रांति है जिनकी वजह से अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध और उन्नीसवी शताब्दी के पूर्वार्ध में कुछ पश्चिमी देशों की तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति में काफी बड़ा बदलाव आया। बहरहाल, जहां एक और औद्योगिक क्रांति के कारण मानव को कई ऐसे लाभ हुए जिनसे उसके जीवन में भारी बदलाव आया, वहीं दूसरी ओर बीसवीं सदी के चौथे-पांचवें दशक से यह महसूस किया जाने लगा कि यदि इस औद्योगिक क्रांति का उपयोग सोच-समझ कर नहीं किया गया तो आखिरकार यह जल, जमीन, जंगल और धरती के समूचे पर्यावरण और पारिस्थितिकी प्रणालियों को प्रदूषित कर मानव और अन्य सभी जीवों का जीना दूभर कर देगी।

कारखानों की विशालकाय चिमनियों और आधुनिक वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु को जहरीला बनाने लगा तो इन कारखानों और वाहनों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को प्रदूषित करने लगे। कृषि कार्यों में संश्लेषित रसायनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से मिट्टी प्रदूषित होने लगी तो बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जंगलों का विनाश होने लगा। अब दुनिया के सभी जागरूक लोग महसूस करने लगे कि आधुनिक प्रौद्योगिकी के कारण धीरे-धीरे वह प्राकृतिक व्यवस्था चरमराने लगी है जो सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के लिए बेहद जरूरी है। कीट और कवक नाशियों के बेतहाशा प्रयोग से भी पर्यावरण को नुकसान हुआ है।

वस्तुत: हम सुविधाजनक जीवन में नित नए कीटनाशकों और दवाओं के जाल में इस तरह उलझे हैं कि इनसे निकलना मुश्किल है। हमारे शरीर की प्रकृति लाखों साल के स्व परीक्षण से बनी है अब प्लास्टिक, रसायनों और यंत्रों की खटपट और प्रवाह के बीच कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी से निरंतर रूबरू होते हुए भी हम प्रकृति के संकेत नहीं समझ पा रहे हैं। प्रकृति की चिट्ठियां बहुत सरल भाषा में लिखी होती हैं, पर हमें उन्हें समझ कर पालन करना कठिन लगता है। हम इंसानों को अपनी श्रेष्ठता का अभिमान है। जिसे हम शिखर पर जाना समझते हैं वह ढलान है। पर्यावरण हमारे तन-मन के मान का वस्त्र और कवच है। इसे उधेड़ते जाना मानसिक नग्नता दिखाते हुए भयावह कष्टों को आमंत्रित करना ही है। भारत में भूस्खलन और पहाड़ों से बर्फ का पिघलते रहना एक बड़े संकट की चेतावनी है।

बर्फ का पिघलना एक पूरी विनाश शृंखला का हिस्सा है। संक्षेप में अगर कहें, तो बर्फ के पिघलने से ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ावा मिलता है और ग्लोबल वार्मिंग से बर्फ का पिघलना तेज होता है। अत: परम्परा से जुड़े इस सिलसिले को तोड़ना जरूरी है। बहुत से लोग अभी भी बर्फ के पिघलने को हल्के से लेते हैं, जबकि यह खतरा बहुत गंभीर और बड़ा है। बर्फ के पिघलने से समुद्र का जल स्तर बढ़ जाता है, जिससे तटीय क्षेत्र मुश्किल में पड़ते हैं। अनेक द्वीपों पर जीव-जीवन खतरे में पड़ता है, उनके प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुचंता है।

SHRI SANWALIYA PROPERTY

Tulsiram Manawat +91 98290 42511

Hiran Magri, Sec-6, Opp. Petrol Pump,
Udaipur (Raj.) - 313 002

7 Rays

7 Rays Hotel

17,18 Block C Central area Parshuram Chouraha, 100 ft Road, Udaipur,
Mo.: 9828940511

7rayshotel@gmail.com
www.7rayshotel.com

Director
Vipin sharma

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Director
Mohit Panwar

shreenath® Travellers Pvt. Ltd.

Head Office :- 9 Kan Nagar , Main Road , Near sub city center , Udaipur (Raj.)

Ph. :-77270-56655 , 77270-59955

Daily parcel service Available

Daily services :- Pune, Mumbai, Vapi, Valsad, Chikli, Navsari, Surat, Ankleshwar, Bharuch, Baroda, Ahmedabad Gandhinagar, Himmatnagar, Junagadh, Jetpur, virpur, Gondal, Rajkot, Ajmer, Jaipur, Jodhpur, Bikaner, Kota

Udaipur :- 3, yatri hotel Udaipole
Ph.:- 77270-59955 , 77270-49955

Nathdwara :- Near Hotel Shree vilas, N.H 8
Ph.:- 77270-28855 , 02953-231333

प्रत्यूष

बरनियों में सुरक्षित करें थाली का स्वाद

भारतीय थाली में अचार का अलग और महत्वपूर्ण स्थान है। अचार का तीखा-चटपटा और खट्टा-मीठा स्वाद फीके खाने को भी स्वादिष्ट बना देता है। गर्मियों का यह मौसम नए और चटकारेदार अचार बनाकर भोजन के दौरान अपना स्वाद बढ़ाने के लिए अनुकूल है। झटपट बनने के साथ ही स्वाद में भी लाजवाब अचार आप भी बनाएं।

शिवानिका सर्राफ

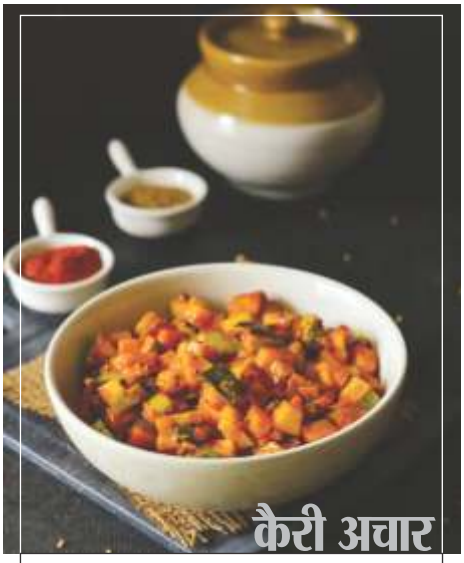

कैरी अचार

क्या चाहिए: 1 बारीक कटी कैरी, 1 बारीक कटा प्याज, 5 चम्मच तेल, 1.5 चम्मच राई, 1/2 चम्मच हींग, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच मेथी दाना (भुना व कुटा हुआ), 1 चम्मच गुड़ (वैकल्पिक)

ऐसे बनाएं : बारीक कटी कैरी व प्याज मिला लें। एक कड़ाही में अच्छी तरह से तेल गर्म करें। आंच बंद करके तेल को थोड़ा ठंडा होने दें। तेल में हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और कुटा मेथी दाना डालें। तैयार तेल में नमक, कैरी व प्याज मिला लें। यदि खट्टा-मीठा स्वाद पसंद करते हों, तो मिलाते वक्त थोड़ा गुड़ भी डाल लें।

कटहल का अचार

सामग्री : कटहल 500 ग्राम, लाल मिर्च पाउडर 2 टीस्पून, हल्दी पाउडर 1 टीस्पून, हींग 2 चुटकी, नमक 3 टीस्पून, पीली सरसों 4 टेबल स्पून मेथीदाना 3 टीस्पून, दरदरी पिसी कलौंजी 1/5 टीस्पून, सरसों तेल डेढ़ कप, सिरका 1/4 टीस्पून, दरदरी पिसी सौंफ 3 टीस्पून

बनाने का तरीका : कटहल को काटने से पहले हाथों में तेल लगाएं। इससे कटहल चिपकेगा नहीं। इसके मीडियम आकार में टुकड़े काटें, मुलायम होने तक भाप में पकाएं। पानी सुखाने के लिए फिर सूती कपड़े पर फैलाएं। गर्म तेल में मेथीदाना, सौंफ, हींग, लालमिर्च, हल्दी, सरसों, अजवायन, नमक, कलौंजी डाल मिलाएं। अब कटहल डालें। अंत में सिरका डालें। ठंडा करके इसे मर्तबान में भरकर रख दें।

आम-चना अचार

आवश्यक सामग्री : कैरी (धुली और छीली) 500 ग्राम, काबुली चने 1 कप, मेथीदाना 2 बड़े चम्मच, राई दाल 100 ग्राम, सौंफ 50 ग्राम, साबुत धनिया 1 बड़ा चम्मच, जीरा 1 बड़ा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 100 ग्राम, सरसों का तेल 2 कप, हींग 1 छोटा चम्मच, हल्दी 1 छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार।

बनाने की विधि : कैरी कद्दूकस कर निचोड़कर रस निकाल लें। इस रस में काबुली चने 7-8 घंटे भिगोकर रहें। तेल गर्म करें और ठंडा कर लें। किसी हुई कैरी में मसाले और 1 कप तेल मिलाएं। अगले दिन इसमें भीगे चने, बचा तेल मिलाकर बरनी में भरकर 6-7 दिन के लिए धूप में रखें। रोज एक बार अच्छी तरह हिलाएं।

मिर्च का अचार

सामग्री: हरी मिर्च 100 ग्राम, सरसों का तेल 4-5 बड़े चम्मच, सिरका 4 बड़े चम्मच, सौंफ 3 छोटे चम्मच, राई की दाल 3 छोटे चम्मच, नमक 3 छोटे चम्मच या स्वादानुसार, जीरा 1 छोटा चम्मच, हल्दी 1 छोटा चम्मच, हींग 1/4 चम्मच।

विधि : मिर्च को अच्छी तरह से धोकर सुखा लें और डंठल वाला हिस्सा काटकर अलग कर दें। मिर्च के बीच में चीरा लगाएं या छोटे टुकड़ों में काटकर अलग रखें। जीरा और सौंफ को भूनकर दरदरा पीस लें। अब एक बड़े बर्तन में मिर्च और सभी सूखे मसाले मिला लें। इसमें तेल और सिरका मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें। मिर्च का इंस्टेंट अचार तैयार है।

इसे किसी भी सूखी बरनी में स्टोर करें।

खट्टा-मीठा नींबू अचार

सामग्री: नीबू – 1/2 किलो, चीनी – 1 कप, नमक – स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर – 7 चम्मच

विधि: इस अचार को बनाने के लिए पतले छिलके वाला नीबू चुनें। नीबू को धोकर, साफ और सूखे कपड़े से अच्छी तरह से पोंछ लें। ध्यान रहे कि नीबू पर जरा–सी भी नमी न हो। नीबू को लंबे–लंबे टुकड़ों में काट लें और चाकू की मदद से बीज हटा दें। एक साफ–सुथरे और सूखे डिब्बे में नमक, चीनी और नीबू के टुकड़े डालें। बोतल का ढक्कन बंद करें और उसे जो–जोर से हिलाएं ताकि नीबू के सभी टुकड़ों पर नमक और चीनी लग जाए। ढक्कन बंद करके इस डिब्बे को दस से 15 दिनों तक धूप में रखें। अगर धूप नहीं निकल रही है तो घर के भीतर नीबू को तैयार होने में 25 से 30 दिनों का वक्त लगेगा। 30 दिनों के बाद नीबू के इस अचार को उसके रस के साथ एक पैन में डालें। मध्यम आंच पर पकाएं। तीन मिनट तक उबालें। ऐसा करने से नीबू पूरी तरह से पक जाएगा। लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। एक मिनट और पकाएं। गैस बंद करें और अचार को पूरी तरह से ठंडा होने दें। साफ–सुथरे बोतल में स्टोर करें। अगर ठीक से रखा जाए तो यह अचार लंबे समय तक इस्तेमाल योग्य रहता है।

कविता

'कर्म'

कर्म का
समझें मर्म
सबकी
दिनचर्या में कर्म।
श्रमशीलता का
गहना है कर्म।।
उत्साही को
प्रवीण बनाता कर्म।
मेहनत का
प्रतिफल है कर्म।।
असफलता का
पुनरूद्धार है कर्म।
सफलता का
आधार है कर्म।।
दुर्भाग्य का
हन्ता है कर्म।
भाग्य का
नियंता है कर्म।।

–बसन्त कुमार त्रिपाठी

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Kailash Agarwal
9414159130

Pankaj Agarwal
9414621211

YUVRAJ PAPERS

Yuvraj Papers

Papers | Printing | Stationery

11-A, Indira Bazar, Nada Khada, Near Bapu Bazar,
Udaipur - 313001 Phone :- + 91-294-2418586

email : info@yuvrajpapers.com

इनके फन कुचलना ज़रूरी

- फरवरी को 'अमृतसर देहाती पुलिस' ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में नासिक आर्मी कैम्प में तैनात सेना के एक जवान 'संदीप सिंह' को गिरफ्तार किया।
- 19 मार्च को 'आर्डिनैंस फैक्ट्री, कानपुर' में कार्यरत जूनियर वर्क्स मैनेजर 'कुमार विकास' को 'एंटी टैररिस्ट स्कवायड'' ने पाकिस्तानी एजैंट 'नेहा शर्मा' के साथ 'आर्डनैंस फैक्टरी' के दस्तावेज, उपकरणों, गोला बारूद के निर्माण से संबंधित चार्ट, कर्मचारियों की अटैंडैंस शीट और मशीनों की जानकारी सांझी करने के आरोप में गिरफ्तार किया।
- इससे पूर्व 13 मार्च को 'ऐंटी टैररिस्ट स्कवायड' ने 'आर्डनैंस इक्विपमैंट फैक्ट्री हजरतुपर' (फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश) के कर्मचारी 'रविंद्र कुमार' को 'नेहा शर्मा' के जरिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'आई.एस.आई' को गोपनीय सूचनाओं को साझा करते हुए पकड़ा था।
- **1 मई को** 'राजस्थान इंटैलीजैंस' ने कड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आई.एस.आई' के लिए जासूसी करने वाले 'मोहनगढ़', जैसलमेर निवारी, 'पठान खान' को गिरफ्तार किया। वर्ष 2013 में 'पठान खान' पाकिस्तान गया था। तभी से वह पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी के अधिकारियों के संपर्क में था और सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान के साथ साझी कर रहा था।
- बताया जाता है कि वह पाक खुफिया एजैंसी के अधिकारियों को भारतीय सिम भी उपलब्ध करवा चुका है। आई.एस.आई. के हैंडलर्स और अधिकारियों द्वारा अनेक माध्यमों से 'पठान खान' को धन उपलब्ध कराया गया।
- **4 मई** को पंजाब पुलिस ने भारतीय सेना और वायुसेना के कैंटोमैंट एरिया एवं एरयफोर्स स्टेशन की संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान भेजने के आरोप में 'पलक शेर मसीह' व 'सूरज मसीह' को गिरफ्तार किया। इनसे बरामद मोबाइल फोन में सेना के मूवमेंट व वायुसेना बेस के चित्र मिले हैं।
- **9 मई** को 'राजस्थान इंटैजीजैंस' ने जैसलमेर जिलें के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर 5 युवकों 'दीनखान', 'मुर्रीफ खान', 'खबन खान', 'शेख सोनू' व 'शाहिद अली' को गिरफ्तार किया।
- **10 मई** को उत्तर बंगाल में 'बेंगडुबी सैन्य स्टेशन' के आसपास घूमते एक व्यक्ति को सेना के जवानों ने हिरासत में लिया। उसने बंगलादेश का जासूस होने की बात स्वीकार की।
- उसने अपना नाम 'अशरफुल आलम' बताया और कहा कि वह बंगलादेश की खुफिया सेवा में डी.एस.पी है। उसकी लम्बी दाढ़ी और बिखरे बाल, उसकी गंदी शर्ट और पैंट आदि उसे एक भिखारी जैसा दिखा रहे थे।
- **11 मई** को 'मालेरकोटला' पुलिस ने नई दिल्ली स्थित पाक उच्चायोग में तैनात एक अधिकारी को खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप में 'गजाला' नामक महिला तथा 'यामीन अहमद' नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ये दोनों मालेरकोटला के रहने वाले हैं।
- पुलिस ने इनके कब्जे से 2 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। 'गजाला' ने स्वीकार किया कि उसने उक्त अधिकारी के साथ भारतीय सेना की गतिविधियों के बारे में गुप्त जानकारी साझी की थी।
- यहीं पर बस नहीं, इन दिनों देश के विभिन्न भागों में सेना की वर्दी पहन कर संदिग्ध लोगों के घूमने और कुछ स्थानों पर सेना की वर्दी बिकने के समाचार भी आ रहे हैं। 'पहलगाम' हमले में आतंकवादी भारतीय सेना की वर्दी पहन कर ही आए थे। ऐसे में सुरक्षा बलों को अधिक चौकसी बरतने की आवश्यकता है।
- हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गत दिनों पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।
- पंजाब के गुरुदासपुर से सुखप्रीत सिंह व करणवीर सिंह, हरियाणा के नूंह से तारीफ हुसैन व उप्र के रामपुर से शहजाद को गिरफ्तार किया गया है।

-विजय कुमार

पाठक पीठ

पाकिस्तान की शह पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में दहशतगर्दों द्वारा 22 अप्रेल को धर्म पूछ कर 28 हिंदू पर्यटकों की हत्या से पूरा भारत गुस्से में है और इस हत्याकाण्ड का बदला चुकाने की पुरजोर कार्यवाई शुरू हो चुकी है। सरकार ने सख्त कदम उठाए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ करना शेष है, आतंकियों की पाकिस्तान के भीतर 9 पनाहगाह नेस्तनाबूद की जा चुकी है। दूसरी तरफ मुम्बई में 26 नवम्बर 2008 के हमले के षड़यंत्रकारी मूल पाकिस्तानी तहव्वुर राणा का भारत सरकार के प्रयत्नों से अमरीका से प्रत्यर्पण हो गया है। जब तक उसे मृत्यु दण्ड नहीं मिलेगा, इस हमले में मारे गए 175 लोगों की आत्मा शांत नहीं होगी। पाकिस्तान और उसके समर्थक सपोलों को अब वो सबक देना है, जो वे आखिरी सांस तक याद रखें। इस सम्बंध में 'प्रत्यूष' के मई अंक में राजवीर का आलेख प्रासंगिक रहा।

डॉ. करुणेश सक्सेना, *कुलपति,*
संगम यूनिवर्सिटी, भीलवाड़ा

'प्रत्यूष' का मई अंक मिला। इसमें विष्णु शर्मा हितैषी का 'तमिलनाडु की सत्ता में हिन्दी विरोध का राग' और गौरव शर्मा का 'परिसीमन के खिलाफ भय का भूत खड़ा करने की कोशिश' आलेख दक्षिण भारत के राजनेताओं की सत्ता लोलुपता और संकीर्णता को उजागर करते हैं। तमिलनाडु में गरीब जनता को भाषा के नाम पर बरगलाया जाकर सत्ता के मजे लेने का यह काम स्वतंत्रता मिलने के फोरन बाद से शुरू हो गया था। इस संबंध में सरकार को बिना किसी दबाव में आए त्रिभाषा फार्मूला बनाए रखना है और परिसीमन कार्य को भी निर्धारित समय में पूर्ण करना है। राष्ट्रवादी फिल्म मेकर और एक्टर मनोज कुमार के सफर पर अभिजय शर्मा का आलेख भी काफी अच्छा था।

अभिषेक सिंघवी, *सीएमडी,*
राजस्थान बेराईट्स लि.

नए वक्फ कानून के विरोध और समर्थन में आए दिन रैलियां निकल रही हैं, मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। संसद इसे पारित कर चुकी है और राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल चुकी है, ऐसे में यह देखना है कि सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला करता है, क्या वह संसद के निर्णय को नकार देगा? क्या वह राष्ट्रपति को भी नजरंदाज करेगा? मुझे तो लगता है कि वह ऐसा कुछ नहीं करेगा और न करना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह जरूरी भी है। इस संबंध में माह मई के अंक का सम्पादकीय 'वक्फ कानून को न बनाएं तिल का ताड़' एक दम सटीक और व्यावहारिक था।

डॉ. सुशांत जोशी, *डायरेक्टर,*
जोशी ईएनटी क्लीनिक

ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते प. बंगाल में विभाजनकारी तत्वों को शह मिली हुई है। मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ वह इसका स्पष्ट प्रमाण है। यह अच्छा है कि भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस भी अब वहां तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ने के प्रति कटिबद्ध हो रही है। कांग्रेस ने 2026 में राज्य में होने वाले चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाने का संकल्प लिया है। यदि राहुल गांधी इस दिशा में रणनीति बनाने में सफल होते हैं तो यह न केवल उनके राजनैतिक कद को बढ़ाएगी बल्कि कांग्रेस की जड़ों को मजबूत करेगी। 'दिल्ली जैसा घेरा बंगाल में भी डालेगी कांग्रेस' पंकज कुमार शर्मा का आलेख इस संदर्भ में सटीक लगा।

डॉ. लक्ष्मण शाह, *डायरेक्टर, गणेश हैण्डीक्राफ्ट*

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह माह उत्तम है, लेकिन वित्तीय स्थिति अनुकूल नहीं है। नये निवेश एवं नये उद्यम शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं, तो थोड़ा ठहरें। परिश्रम पर ही ध्यान देना होगा, पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा, संतान पक्ष से संतोषप्रद समाचार प्राप्त होंगे, भाई का पूर्ण सहयोग रहेगा।

वृषभ

वित्तीय व्यवस्थाएं सुचारू करने में ग्रहों का साथ नहीं मिलेगा, आत्म विश्वास में भी कमी रहेगी। परिस्थियां अनुकूल नहीं है, निवेश का विचार अभी त्याग देंगे तो ठीक है। यात्राओं में सावधानी से काम लें तो लाभ हो सकता है। सहकर्मियों के साथ विवाद संभव है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा, पारिवारिक बाधाएं परेशान करेंगी।

मिथुन

यह माह मिश्रित फलप्रद रहेगा, जिसमें अवसर एवं चुनौतियां दोनों होंगी, पढ़ाई में आपकी रूचि बढ़ेगी, वित्तीय लेन–देन में सावधानी बरतनी होगी, व्यापार संबंधी यात्राएं होगी, सरकारी मामलों में थोड़ी उलझन हो सकती है, धैर्य रखना जरूरी है, बच्चों से खुशी एवं सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क

वित्तीय संभावनाएं अच्छी रहेंगी, पारिवारिक संबंधों में तनाव और बच्चों की चिंताओं से जूझना पड़ सकता है। ज्ञान एवं अध्यात्म की ओर अग्रसर रहेंगे, वित्तीय एवं स्वास्थ्य के मोर्चे पर सफलता मिलेगी, लेकिन कार्य क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, दैनन्दिन जीवन में स्थिरता रहेगी।

सिंह

यह माह मिश्रित फलप्रद रहेगा, करियर में कुछ चुनौतियां हतोत्साहित कर सकती हैं, लेकिन यात्राओं में अच्छा लाभ होगा। यह माह महत्वपूर्ण बदलाव का है, यह बदलाव आपके जीवन में हर क्षेत्र को प्रभावित करेंगे। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, सावधानी एवं समर्पण का समय है, लाभ उठाएं।

कन्या

स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, जबकि वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ सावधानियां बरतने की आवश्यकता है, यात्राएं लाभप्रद रहेंगी, परिवार के संबंधों में चुनौतियां आ सकती हैं, दुर्घटना से सावधान रहें, निराधार संदेह की प्रवृति पर अंकुश लगाएं, सहकर्मियों से विवाद हो सकता है संयम रखें।

तुला

यह माह सकारात्मक बदलाव व विकास का रहेगा, काम के प्रति साहसिक दृष्टिकोण नये अवसर प्रदान करेगा। यात्राएं लाभप्रद रहेगी विशेषकर दक्षिण दिशा की, स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। जीवनसाथी के साथ समन्वय उत्तम रहेगा, व्यवसाय एवं नौकरी में उन्नति होगी। एवं उद्देश्यों में सफलता मिलेगी, भाईयों से मतभेद संभव।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 जून	ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी	बाल सुरक्षा दिवस
4 जून	ज्येष्ठ शुक्ल नवमी	श्री महेश नवमी
5 जून	ज्येष्ठ शुक्ल दशमी	श्री गंगा दशहरा / विश्व पर्यावरण दिवस
6 जून	ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी	निर्जला एकादशी व्रत
7 जून	ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी	ईद-उल-अजहा
8-10 जून	ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी से	वट सावित्री व्रत चर्तुदशी
10 जून	ज्येष्ठ शुक्ल चर्तुदशी	विश्व नेत्र दान दिवस
11 जून	ज्येष्ठ पूर्णिमा	कबीर जयंती
14 जून	आषाढ कृष्ण तृतीया	गुरू हरगोविंद सिंह जयंती
21 जून	आषाढ कृष्ण दशमी	अन्तर्राष्ट्रीय योग एकादशी दिवस
27 जून	आषाढ शुक्ल द्वितीया	श्री जगन्नाथ यात्रा (पुरी)

वृश्चिक

यह माह आपके लिए अनुकूल रहेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वित्तीय योजनाओं में कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं। सावधानी बरतें, निवेश में सोच–समझ कर कदम उठाएं, शिक्षा में श्रेष्ठप्रदर्शन रहेगा, समय यात्रा के अनुकूल नहीं है, पारिवारिक मामलों में कुछ परेशानियां बनी रहेगी, भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा, धैर्य से काम लेवें।

धनु

पारिवारिक मामलो में कठिनाई और गलतफहमी से परेशानी होगी। पाचन तंत्र संबंधित समस्याएं उभर सकती हैं। कार्य क्षेत्र में मिला जुला असर दिखेगा, वित्तीय व्यवस्थाएं सामान्य रहेंगी संतान पक्ष से असन्तुष्टता रहेगी, व्यर्थ के जोखिमों से बचना हितकर रहेगा, कुछ नया करना हो तो टालना ही ठीक रहेगा।

मकर

अपने कार्य में बेहतरीन प्रदर्शन करने और नई ऊचाइयाँ को छूने का अवसर प्राप्त होगा, नेतृत्व क्षमता भी बढ़ेगी, और आप सहयोगियों से भी बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे, व्यवसाय एवं नौकरी में तरक्की के संकेत हैं, परिवार का वातावरण सकारात्मक रहेगा, स्वास्थ्य सामान्य प्रतीत होता है, आय पक्ष सामान्य रहेगी।

कुम्भ

आपके व परिवार के लिए यह माह भाग्यशाली सिद्ध होगा, आर्थिक रूप से यह माह अच्छा रहेगा, आय में वृद्धि होगी, यात्राओं से लाभ की संभावनाएं हैं, नौकरी–व्यवसाय के लिए भी यात्राएं करनी पड़ सकती है, संतान पक्ष सामान्य रहेगा, शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले जातकों को आशातीत सफलता मिलेगी।

मीन

यह माह स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक है, पारिवारिक मामलों में कुछ परेशानियां उभर सकती हैं। ग्रहो की चाल प्रतिकूल जान पड़ती है, जीवन में बदलाव के लिए तैयार रहें, जो व्यक्तिगत एवं पेशेवर दोनों क्षेत्रों में विकास के नए अवसर लेकर आ सकता है, वित्तीय स्थिति में प्रतिकूलता रहेगी।

प्रत्यूष समाचार

प्रयास, परिश्रम व समर्पण का परिणामः अग्रवाल

उदयपुर। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज में स्टूडेंट एक्सेलेंस अवार्ड सेरेमनी हुई। इस मौके पर गिट्स पिनाकल ऑफ एक्सेलेन्स अवार्ड, गिट्स इंटरनेशनल एम्बेसडर अवॉर्ड, गिट्स प्रोफेशनल सक्सेस मेडल अवार्ड, गिट्स डिस्टिंक्शन अवार्ड, गिट्स अकादमिक ड्यूल स्टार अवार्ड, गिट्स एन पी टी एल डोमेन एक्सपर्ट अवार्ड, गिट्स एन पी टी एल स्टार परफॉरमेंस अवार्ड एवं गिट्स स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान कर विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया गया। गीतांजलि समूह के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने विद्यार्थियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि सफलता संयोग से प्राप्त नहीं होती अपितु यह निरंतर प्रयास, कठिन परिश्रम, समर्पण एवं जुनून का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कैंपस निदेशक डॉ. एम एम प्रसन्ना कुमार ने कहा कि यह अवार्ड समारोह न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि पूरे शैक्षणिक समुदाय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। एम बी ए निदेशक डॉ पीके जैन ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रहने की सलाह दी। वित्त नियंत्रक बीएल जांगिड़ ने भी विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। धन्यवाद डॉ. राधा चौधरी ने ज्ञापित किया।

आदिनाथ युवा संस्थान का शपथ ग्रहण

उदयपुर। आदिनाथ युवा संस्थान का 9वां शपथ ग्रहण समारोह हिरणमगरी सेक्टर 11 स्थित आदिनाथ भवन में हुआ। मुख्य अतिथि भूपेन्द्र चौधरी, समाजसेवी मांगीलाल नावड़िया थे। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य संरक्षक अशोक शाह ने बताया कि समारोह में पूर्व अध्यक्ष मदन देवड़ा ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष पवन धीरावत सचिव महेन्द्र मादावत, कोषाध्यक्ष हसमुख नागदा, जयंतीलाल नेतावत, जितेन्द्र चित्तौड़ा, आदेश पचौरी, ऋषभ भंवरा, सतीश गांधी, हेमन्त शाह, सुरेश वखारिया, गजेंद्र कोठारी, अमृत बोहरा सहित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। समारोह में मुख्य संरक्षक अशोक शाह, परामर्शदाता महावीर सिंघवी, प्रवीण कोठारी, महावीर भाणावत, राजेन्द्र मुण्डलिया, रमेश शाह एवं निवर्तमान अध्यक्ष प्रवीण दोशी सहित अनेक समाजजन मौजूद थे।

लेज़र पद्धति से पथरी और प्रोस्टेट का इलाज

उदयपुर। अंबामाता स्थित अरावली हॉस्पिटल में मरीजों के लिए नई तकनीक की शुरुआत की गई है। अस्पताल में थुलियम फाइबर लेजर तकनीक से पथरी और प्रोस्टेट का इलाज किया जाएगा। डायरेक्टर डॉ आनंद गुप्ता, सीनियर यूरोलॉजिस्ट डॉ रमेश सेठिया, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ उर्वशी सेठिया ने फीता काटकर नई तकनीक की शुरुआत की।

जेएसजी सुप्रीम का शपथ ग्रहण समारोह

उदयपुर। जैन सोश्यल ग्रुप सुप्रीम का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। मुख्य अतिथि जेएसजी मेवाड़ रीजन के चेयरमैन अरुण माण्डोत और विशिष्ट अतिथि आरसी मेहता व पारस ढेलावत थे। संस्थापक अध्यक्ष नितुल चंडालिया ने बताया कि नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष राजेन्द्र जैन, सचिव सुजीत जैन, कोषाध्यक्ष दीपक सिंघवी, उपाध्यक्ष मनीष कटारिया, सहसचिव दीपक हरकावत को शपथ दिलाई गई। संचालन डॉ. रीनल जैन ने किया। इस अवसर पर मेवाड़ रीजन के पदाधिकारी, जेएसजी सुप्रीम के सदस्य आदि मौजूद थे।

मंगवानी अध्यक्ष, तेजवानी महासचिव निर्वाचित

उदयपुर। जवाहर नगर युवा सेवा समिति की आमसभा समिति के द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुए। अध्यक्षता संरक्षक उमेश नारा ने की। चुनाव सुरेश चावला की देखरेख में सर्वसम्मति से हुआ। नव-निर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर चंद्र प्रकाश मंगवानी, महासचिव-शंकर तेजवानी, उपाध्यक्ष-दीपक तलरेजा, कोषाध्यक्ष-विकास छाबड़िया, सचिव-सागर मंगवानी, सांस्कृतिक मंत्री-सुमीत लिंजारा, संगठन मंत्री मुकेश कामरा, प्रवक्ता-रवि इसरानी को चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष कमल छाबड़िया, महासचिव सागर मंगवानी और कोषाध्यक्ष विकास छाबड़िया ने अपने कार्यकाल का लेखा-जोखा पेश किया।

कविता बोर्ड सदस्य नियुक्त

उदयपुर। राज्य सरकार ने भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. कविता जोशी को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर में प्रबंध मंडल सदस्य नियुक्त किया है।

लघु उद्योग भारती ने मनाया स्थापना दिवस

उदयपुर। लघु उद्योग भारती के स्थापना दिवस पर मादड़ी इकाई द्वारा एमबी चिकित्सालय स्थित मानव सेवा समिति में जरूरतमंद 155 लोगों को भोजन कराया गया। लघु उद्योग भारती ने मानव सेवा समिति को 21000 रूपये की आर्थिक सहायता राशि भी भेंट की। मादड़ी इकाई अध्यक्ष हेमंत जैन ने बताया यह संकल्प भी लिया गया कि प्रत्येक वर्ष 25 अप्रैल को लघु उद्योग भारती की ओर से जरूरतमंदों को भोजन कराने की सेवा की जाएगी। कार्यक्रम में पूर्व महापौर रजनी डांगी, प्रदेश उपाध्यक्ष रीना राठौड़, महिला इकाई सचिव रेखा रानी जैन, मादड़ी इकाई अध्यक्ष हेमंत जैन, कोषाध्यक्ष प्रकाश फूलानी, शुभम डांगी, आशीष मित्तल, अक्षय माली ने सक्रिय भागीदारी निभाई। गिर्वा इकाई अध्यक्ष हरिओम पालीवाल, पुष्पांजलि सुमन बोराणा भी उपस्थित रहे।

पलक को 'उदयपुर केसरी' खिताब

उदयपुर। उस्ताद कर्ण सिंह स्मृति दंगल का आयोजन चांदपोल स्थित भीम राष्ट्रीय व्यायामशाला में गत दिनों हुआ। इसमें उदयपुर महिला केसरी का खिताब पलक सोनी ने जीता। दंगल का शुभारंभ सांसद मन्नालाल रावत, समाजसेवी दलपत सुराणा, जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल, ओलिंपिक संघ के सह सचिव जालम चंद जैन ने किया। आयोजन सचिव डॉ. दिलीप सिंह पहलवान ने बताया कि दंगल में 130 पहलवानों ने प्रदर्शन किया। तकनीकी सलाहकार कैलाश पालीवाल ने बताया कि उदयपुर, चित्तौड़, राजसमंद केसरी का खिताब भरत गुर्जर ने जीता। उदयपुर कुमार में प्रथम नंदू पाराशर, उदयपुर किशोर खिताब में प्रथम आर्यन, उदयपुर महिला कुमारी में माही ओड, शेर ए प्रताप का खिताब में बाल किशन प्रामि, उदयपुर बाल किशोर नरसिंह परिहार, उदयपुर बाल बसंत वजन वर्ग में प्रथम स्थान अजय ओड़ ने जीता। समापन समारोह में विजेताओं को डॉ. पंकज चौधरी, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, पंकज शर्मा, पार्षद मदन दवे, संजीव मलिक, सुशील सेन ने प्रदान किया।

जस्टिस गवई नए सीजेआई

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने पिछले माह की 14 तारीख को मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के 13 मई को सेवा निवृत्त होने पर उनकी जगह ली। लेकिन गवई का कार्यकाल भी संक्षिप्त ही होगा। वे 65 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 23 दिसम्बर को रिटायर हो जाएंगे। वे निर्वतमान मुख्य न्यायाधीश के बाद शीर्ष अदालत में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं।

डीपीएस की आद्विका ने रचा इतिहास

उदयपुर। विश्व शतरंज महासंघ एवं एशियन शतरंज संघ के तत्वावधान में दुशांबे ताजिकिस्तान में आयोजित वेस्टर्न एशियन यूथ शतरंज चैंपियनशिप में डीपीएस उदयपुर की 13 वर्षीय नन्ही शतरंज सितारा आद्विका सरूप्रिया ने अपनी प्रतिभा से लोहा मनवाया। आद्विका ने अंडर 14 आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रैपिड चैंपियनशिप में टीम इंडिया के लिए रजत पदक हासिल किया, वहीं क्लासिकल एवं ब्लिट्ज चैंपियनशिप में कास्य पदक जीतकर देश और शहर का मान बढ़ाया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 21 से 29 अप्रेल तक 9 चक्रों में संपन्न हुई, जिसमें 43 एशियाई देशों में 470 युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। आद्विका की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्रो. वाइस चैयरमेन गोविंद अग्रवाल, प्राचार्य संजय नरवरिया एवं समस्त शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी।

डॉ. लुहाड़िया का अस्थमा पर व्याख्यान

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल लुहाडिया ने रेस्पिरेटरी अपडेट सम्मेलन में अस्थमा के निदान और उपचार पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन में डॉ. लुहाड़िया को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. लुहाड़िया ने बताया कि अस्थमा एक दीर्घकालिक (क्रॉनिक) सांस से संबंधित रोग है। अस्थमा का निदान मरीज के लक्षणों, मेडिकल हिस्ट्री और कुछ विशेष जांचों जैसे स्पाइरोमीट्री टेस्ट, पीक फ्लो मीटर, एलर्जी टेस्ट तथा एक्स-रे के माध्यम से किया जाता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अस्थमा का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन इस संदर्भ में इनहेलर थेरेपी को सबसे कारगर, सुरक्षित और प्रभावशाली उपचार बताया गया।

फिल्म 'ओम बन्ना रो चमत्कार' का पोस्टर लॉन्च

उदयपुर। ओम बन्ना जन्मोत्सव के मौके पर बलीचा स्थित ओम बन्ना मंदिर में राजस्थानी फिल्म 'ओम बन्ना रो चमत्कार' के पोस्टर का विमोचन हुआ। इस दौरान फिल्म के कुछ खास दृश्य भी दिखाए गए। मुख्य अतिथि मंदिर के गादीपति रवींद्र बापू थे। शहर विधायक ताराचंद जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट कपिल कोठारी, बजरंग सेना अध्यक्ष कमलेन्द्र सिंह पवार, डॉ. प्रदीप कुमावत, पार्षद मुकेश शर्मा और डॉ. एस.के. शर्मा भी बतौर अतिथि शामिल हुए। फिल्म दहेज प्रथा के खिलाफ सामाजिक संदेश देती है। निर्माता नंद किशोर मित्तल और बलवीर सिंह राठौड़ हैं। लेखक और निर्देशक लखविंद्र सिंह हैं।

बुजुर्ग दंपती की कठिन ट्रैक यात्रा

उदयपुर। बुजुर्ग दंपति रमेश चंद्र भट्ट (72) और विजय लक्ष्मी भट्ट (68) ने हाल ही में हर की दून और पांडवों के स्वर्गारोहिणी यात्रा मार्ग की यात्रा पूरी की। यह क्षेत्र 5000 से अधिक वर्षों से तपस्या स्थली रहा है। दुर्गम ट्रैक पर भट्ट दंपति ने 5800 फीट बेस कैंप से तीन दिनों में 11600 फीट की कठिन चढ़ाई की। उन्होंने एक घंटे तक बारिश और ओलों के बीच भी यात्रा जारी रखी।

उ. दिल्ली में आईवीएफ सेंटर

नई दिल्ली। इन्दिरा आईवीएफ ने उत्तरी दिल्ली के मुखर्जी नगर में अपने नए फर्टिलिटी क्लीनिक का उद्घाटन किया। इससे राजधानी में ग्रुप की उपस्थिति अधिक मजबूत हुई है। इन्दिरा आईवीएफ के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक नितिज मुर्डिया ने कहा कि देशभर में 150 से अधिक क्लीनिक्स के साथ इन्दिरा आईवीएफ का यह नया सेंटर उत्तर दिल्ली के तेजी से बढ़ते इलाके में एक्सपर्ट रिप्रोडक्टिव केयर को सुलभ बनाएगा।

अरविंदर सिंह शीर्ष इंस्पायरिंग लीडर्स में शामिल

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक के सीईओ व तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. अरविंदर सिंह देश के शीर्ष 50 इंस्पायरिंग लीडर्स में शामिल हुए। प्रतिष्ठित मैगजीन के वार्षिक अंक में उनका चयन हुआ। टर्निंग पॉइंट थीम के तहत डॉ. सिंह सहित ऐसी प्रतिभाएं शामिल की गई, जो प्रेरणादायक व अलग सोच रखती हों, साथ ही भारतीय समाज के कल्याण व उत्थान के लिए रचनात्मक सोच के साथ परिवर्तन लाएं।

आहूजा बने सिंधी सेंट्रल के अध्यक्ष

उदयपुर। सिंधी समाज की सिंधी सेंट्रल सेवा समिति की बैठक झूलेलाल भवन शक्तिनगर में हुई। इसमें विजय आहूजा को निर्विरोध रूप से अध्यक्ष चुना गया। बैठक में सिंधी समाज के 32 युवा संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। समिति सिंधी समाज के तमाम पर्व और त्योहारों के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाती है। बैठक में हरीश राजानी, उमेश नारा, मनोज कटारिया, गिरीश राजानी, राजेश खत्री, हेमंत गखरेजा, अशोक लिंजारा, कैलाश नेभनानी, मुकेश खिलवानी, जितेंद्र कालरा चंद्रप्रकाश मंगवानी, विपिन कालरा, अभिषेक कालरा, सुरेश असनानी, राहुल निचलानी, कपिल नाचन, संजय खतूरिया, भावेश तलदार, प्रेम तलरेजा, पवन आहूजा, कमल तलरेजा अमल असनानी, शैलेश कटारिया, पवन कालरा, मनीष गुरानी, भावेश तलदार, दीपेश हेमनानी आदि उपस्थित थे।

कियाना ने वर्ल्ड ब्लिट्ज शतरंज में जीता कांस्य

जयपुर। उदयपुर की 9 वर्षीय शतरंज प्रतिभा कियाना परिहार ने ग्रीस में आयोजित विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। वह भीलवाड़ा के अभिजीत गुप्ता के बाद राजस्थान की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्व स्तरीय शतरंज टूर्नामेंट में कोई पदक जीता है। कियाना ने अंडर-10 बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 में से 9 अंक हासिल किए और कड़े टाईब्रेक के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने पोलैंड, बेलारूस, रोमानिया, वियतनाम, ट्यूनीशिया, स्लोवाकिया, यूक्रेन और तुर्कमेनिस्तान की शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर अपने रणनीतिक क्षमता का परिचय दिया। कियाना ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना है, जिसके लिए वे पूरी मेहनत करेंगी।

श्रीराधाकृष्ण मन्दिर का पाटोत्सव

निम्बाहेड़ा। जे.के सीमेन्ट परिसर स्थित श्री राधाकृष्ण मन्दिर का 35वां पाटोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया। मंदिर को पुष्पों, बहुरंगी पताकाओं एवं रोशनी से सुसज्जित किया गया। मंदिर गर्भगृह में स्थापित भगवान श्रीयदुर्रेश्वरमहादेव (शंकर पंचायतन), श्रीराधाकृष्णजी एवं श्रीहनुमानजी की प्रतिमाओं का मनोहारी श्रृंगार किया गया। मुख्य पण्डितों के सानिध्य में मन्त्रोच्चार एवं आध्यात्मिक परिवेश में वैदिक विधी विधान से यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल ने पूजा की। टेक्नीकल हेड राजेश सोनी, हेड-एचआर प्रभाकर मिश्रा, टेक्नीकल हेड (मांगरोल) - मुरली मनोहर लढ्ढा, श्रमिक संघ के पदाधिकारी चैन सिंह शेखावत, राज सिंह पंवार, सत्यनारायण मेनारिया, धर्मपुरी गोस्वामी व बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी एवम् भक्तजन उपस्थित थे। भगवान की रथारूढ़ शोभयात्रा भी निकाली गई।

अमृत धारा वितरण

उदयपुर। आयुर्वेद विभाग की ओर से अमृत धारा औषधी का वितरण किया गया। वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. शोभालाल औदिच्य की ओर से प्राचीन आयुर्वेदिक फॉर्मूले पर आधारित जड़ी-बूटियों के संयोजन से यह तैयार की गई है। यह गोली के रूप में भी उपलब्ध है। उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. राजीव भट्ट ने कहा कि अमृत धारा औषधी ग्रीष्मकालीन स्वास्थ्य समस्याओं के निवारण हेतु एक प्रभावी आयुर्वेदिक समाधान है। इस औषधी को विशेष रूप से राजस्थान की गर्म जलवायु और स्थानीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

श्रीमाली को मरणोपरांत राष्ट्रीय समाज रत्न

उदयपुर। अखिल भारतवर्षीय श्रीमाली ब्राह्मण समाज संस्था का राष्ट्रीय सम्मान समारोह पुष्कर में हुआ। मुख्य अतिथि आरएएस एवं आरपीएससी जॉइंट सेक्रेट्री ऋषिबाला श्रीमाली थीं। इसमें श्रीमाली ब्राह्मण समाज संस्था मेवाड़ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मोहनलाल श्रीमाली को मरणोपरांत राष्ट्रीय समाज रत्न से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय प्रवक्ता ओमप्रकाश श्रीमाली ने बताया कि उनके पुत्र भूपेंद्र श्रीमाली ने यह सम्मान प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विधुशेखर दवे, राष्ट्रीय सचिव कैलाश त्रिवेदी, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष आकाश ओझा, उदयपुर से समाज सेवी-जगदीश ओझा, हरीश त्रिवेदी, भूषण श्रीमाली, गिरिश श्रीमाली आदि मौजूद थे।

डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान क्षेत्रीय अध्यक्ष

उदयपुर। सुखाड़िया विवि के विवेकानंद सभागृह में आयोजित लायंस क्लब इंटरनेशनल 3233 ई.2 के प्रांतीय अधिवेशन लक्ष्य विवेचना में आगामी वर्ष 2025-26 की प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा हुई। जोन 6 के चार क्लबों के लिए डॉ. दीपेंद्र सिंह चौहान को क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। इस दौरान अनिल नाहर, पूर्व संभागीय अध्यक्ष केजी मूंदड़ा, नितिन शुक्ला, संभागीय अध्यक्ष केवी रमेश, डॉ. अनुभा शर्मा, सिद्धार्थ आदि मौजूद रहे।

कच्छवाहा बने सेवा ट्रस्ट के संरक्षक

उदयपुर। स्वतंत्रता सेनानी मास्टर किशन लाल वर्मा सेवा ट्रस्ट की बैठक अध्यक्ष प्रमोद वर्मा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से एडवोकेट कुंवर विजयसिंह कच्छवाहा को ट्रस्ट का संरक्षक नियुक्त किया गया। कच्छवाहा फेडरेशन ऑफ एनजीओ राजस्थान प्रदेश के महासचिव पद पर भी कार्यरत हैं।

सुषमा कुमावत बनी संभाग प्रभारी

उदयपुर। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए भाजपा की ओर से प्रदेश स्तर पर वूमन फॉर वन नेशन वन इलेक्शन टीम का गठन किया गया है। उदयपुर संभाग का प्रभारी सुषमा कुमावत को नियुक्त किया है। सुषमा कुमावत पूरे संभाग में महिलाओं में वन नेशन वन इलेक्शन के लिए जागरूकता लाने का कार्य करेगी।

नौनिधिदास को महंताई चादर

उदयपुर। स्वस्थान श्रीनृसिंह द्वारा मीठारामजी का मंदिर रावजी का हाट्टा के श्रीमहंत मेवाड़ महामंडलेश्वर रामचन्द्रदास खाकी के गत दिनों साकेतवास होने पर उनकी इच्छानुसार बालसंत नौनिधिदास को संत परंपरा अनुसार चादरविधि कर श्रीमहंत मेवाड़ महामंडलेश्वर पद पर सुशोभित किया गया व गादी पर विराजित किया गया। महंत हर्षितादास ने बताया कि समस्त वैष्णव समाज, गणमान्य नागरिकों व भक्तजनों की उपस्थिति में डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने चादर विधि की। संत समाज व वैष्णव समाज की ओर से परम्परागत चादर विधि सम्पन्न की गई।

डॉ. वत्स का एक्यूट वेस्टिबुलर सिड्रोम पर व्याख्यान

उदयपुर। पिछले दिनों कर्नाटक न्यूरोसाइंस अकादमी की 14वीं वार्षिक कान्फ्रेंस मंगलौर में सम्पन्न हुई। जिसमें एक्यूट वेस्टिबुलर सिंड्रोम अर्थात अचानक चक्कर आने और 24 घंटे से भी अधिक समय तक वही स्थिति रहने पर उपचार के संबंध में विचार हुआ। शांतिराज हॉस्पीटल के नरेश शर्मा ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में इस अस्पताल के वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वर्टिगो विशेषज्ञ डॉ. एके वत्स का महत्वपूर्ण व्याख्यान हुआ। इसमें भारत के विभिन्न प्रान्तों से प्रमुख न्यूरोसाइन्स विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित किया गया।

जारोली हिमालय परिवार के प्रदेश महामंत्री

उदयपुर। हिमालय परिवार के राष्ट्रीय संयोजक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेशकुमार की अनुशंसा पर राष्ट्रीय महामंत्री दिलबागसिंह व भूपेंद्र कंसल ने अरविन्द जारोली को हिमालय परिवार का प्रदेश महामंत्री मनोनीत किया है। राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि हिमालय परिवार देश की समर्पित क्षेत्र की यात्राओं से परस्पर संस्कृति का आदान-प्रदान करना, हिमालय की संस्कृति और जीवन शैली को समझना व देश के अन्य क्षेत्रों की संस्कृति और जीवन को वहां तक पहुंचाता है।

डॉ. राजेश को फैलोशिप

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय में कार्यरत सर्जन डॉ. राजेश राठौड़ को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कोलो प्रोटोलॉजी द्वारा फैलोशिप प्रदान की गई है। फैलोशिप केरल में आयोजित कॉन्फ्रेंस में अवार्ड की गई है।

पर्यावरण बचाने का संदेश

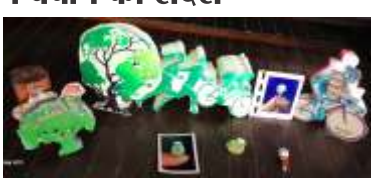

उदयपुर। मिनिएचर आर्टिस्ट चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने पर्यावरण दिवस पर (5 जून) विभिन्न सूक्ष्म कृतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इनमें आमजन से जल का दुरूपयोग रोकने, आस-पड़ौस में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण का संदेश दिया गया है।

संवेदना/श्रद्धांजलि

समाजसेवी वीरेन्द्र डांगी का निधन

उदयपुर। शहर के प्रमुख उद्योगपति एवं परम समाजसेवी, भामाशाह श्री वीरेन्द्र कुमार जी डांगी का आकस्मिक निधन 27 अप्रेल को हो गया। उनके निधन पर सकल जैन समाज सहित विभिन्न समाजों, संगठनों, राजनैतिक दलों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती रजनी डांगी (पूर्व महापौर उदयपुर), पुत्र डॉ. वैभव व शुभम, पौत्र निलय, मानस व तीर्थ सहित भाई-बहिनों का संपन्न डांगी परिवार, ससुराल पक्ष का मांडावत व ननिहाल पक्ष का वर्डिया परिवार छोड़ गए है। स्व. वीरेन्द्र डांगी श्री गुरु पुष्कर परम्परा के अनन्य भक्त थे। श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय के महामंत्री एवं श्री देवेन्द्र धाम के ट्रस्टी व कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, विधानसभा में पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेन्द्रसिंह राठौड़, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। डांगी साधु-संतों की सेवा, धर्म और समाज के कार्यों में सदा अग्रणी रहे।

उदयपुर। श्रीमती कमला देवी गांधी (धर्मपत्नी स्व. शांतिलाल जी गांधी) का 5 मई को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्रवधू तारा गांधी, पुत्रियां राजश्री मुणोत व जयश्री दक एवं पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों सहित समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती वीना देवी (मांगीबाई) धर्मपत्नी स्व. बृजलाल जी पाडलिया का 6 मई को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल पुत्र प्रदीप, मुकेश व पंकज, पुत्री शीला देवी व पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री गुरुमुखदास जी कालरा का स्वर्गवास 6 मई को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती कोमल, पुत्रवधू गुंजन, पुत्र संदीप व राहुल, पुत्री रागिनी चावला, पौत्र-पौत्रियों व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री चांदमल जी गोयल का 6 मई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र कन्हैयालाल, ओमप्रकाश, राजेन्द्र प्रसाद गोयल (पुलिस उपमहानिरीक्षक-एसीबी उदयपुर) पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा संसार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी श्री चेतन जी सनाढ्य का 28 अप्रेल को स्वर्गवास हो गया। विप्र सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद चेतन जी अपने पीछे शोकाकुल पिता श्री अम्बालाल जी, धर्मपत्नी श्रीमती सीमा देवी, पुत्र संकल्प, पुत्री डॉ. अदिति एवं भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्व. प्रभुलाल जी पुरोहित निवासी जगत की धर्मपत्नी श्रीमती लीला देवी जी का स्वर्गवास 11 मई को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र डॉ. दिनेश पुरोहित, महेशचन्द्र व नरोत्तम तथा पौत्र-पौत्रियों, देवर-देवरानियों एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री धनेश्वर जी नागदा (कुशाल बाग) का 3 मई को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पत्नी श्रीमती पुष्पा देवी, पुत्र मोहन लाल, ओम प्रकाश व भवानी शंकर सहित पौत्र-पौत्रियों एवं भाई-भतीजों का सम्पन्न नागदा-चान्द्रायण परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती शिल्पी मेनारिया (पुत्री स्व. भवरलाल जी नेतावत-शिक्षा निकेतन स्कूल) पानेरियों की मादड़ी का आकस्मिक स्वर्गवास 5 मई को हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति श्री गौरीकान्त (उप निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग - उदयपुर), फहत लाल, पारस, बसन्तीलाल, कमल, जयप्रकाश, गजेन्द्र, देवांश एवं धानी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं।

उदयपुर। समाजसेवी श्री खड़ग सिंह जी हिरन का 3 मई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती शांता हिरन, पुत्र डॉ. शैलेन्द्र हिरन व सीए योगेश हिरन, पुत्री श्रीमती वंदना बाबेल सहित पौत्र-पौत्रियों, पड़ दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

With Best Compliments from

NAHAR
COLOURS & COATING LTD.

Certified ISO 9001 by BVQI UKAS QUALITY MANAGEMENT

NCCL, House, G-1, 90-93, Sukher Industrial Park
Udaipur-313004 INDIA
Tel. : +91-294-2440307-309 | Fax : +91-294-2440310
E-mail : ramesh@naharcolours.net

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

VNP vijeta Namkeen

Perfect rising snacks.

VNP

VIJETA NAMKEEN PRODUCTS
Main Road Bhupalpura, Udaipur-313001, Rajasthan INDIA, Contact No. : 0294-2415817, Mob. : 09828555227
E-mail ID. : vijetanamkeen@gmail.com

Ankit Jain
Director

Galaxy Infrastucture

GALAXY EMERALD APARTMENT,
Near Aiyappa Temple, Pragari Nagar,
Shobhagpura, Udaipur (Raj.) Mob.: +91 9887056669

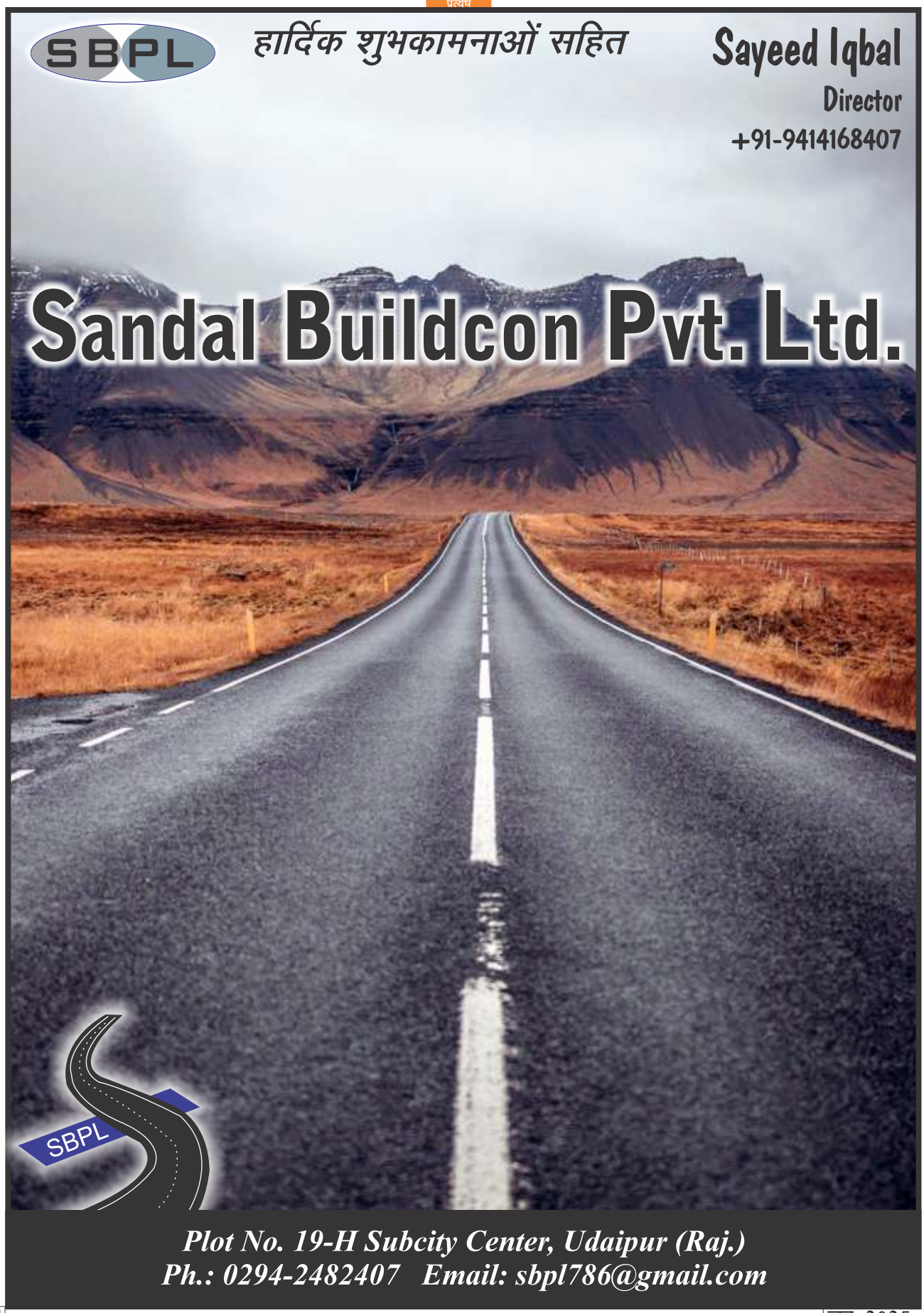

Plot No. 19-H Subcity Center, Udaipur (Raj.)
Ph.: 0294-2482407 Email: sbpl786@gmail.com

Ashok K. Jain
Proprietor
Cell: +91 98281 46434

PHILIPS
CHANNEL PARTNER
(SALES & SERVICE)

KALELKER
SURGICAL INSTRUMENT

GITA
STEEL FURNITURE

JAIN HEALTHCARE

Product

ECG M/c, Cardiac Multipara Monitor, CNS, Defibrillator, TMT, Pulse Oximeter, Anaesthesia System, CPAP, BiPAP, Ventilator, X-Ray, Sonography, Colour Doppler, CT Scan, MRI, Dialysis Machine & Consumables

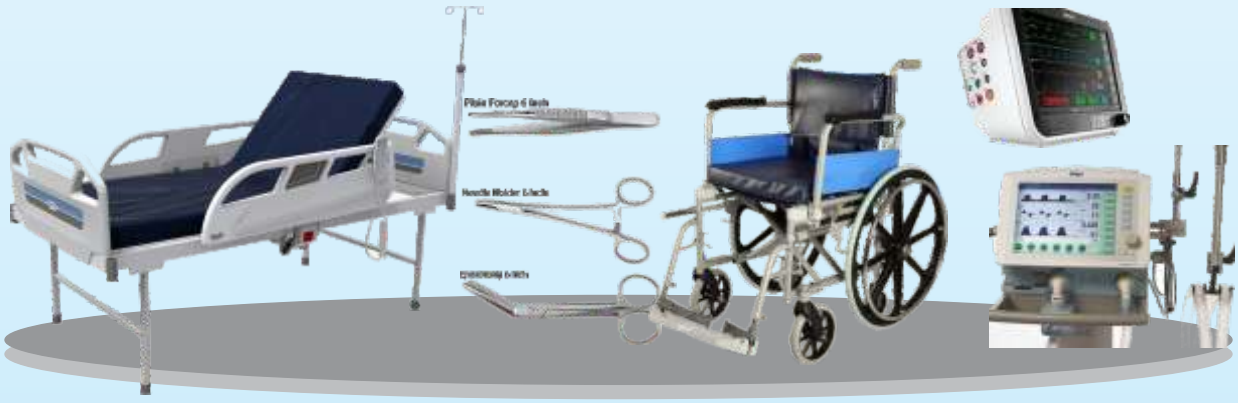

19, City Station Road, Near Natraj Dining Hall,
Railway Station Road, Udaipur (Raj.) 313001
E-mail: jainhealth2011@gmail.com
Web.: jainhealthcare.online

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 2, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001